दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

असली आज़ादी

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik | aslizadidainikofficial

■ वर्षः 21, अंकः 319 ■ दमण, बुधवार 09, सितंबर 2026 ■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु

■ RNI NO-DDHIN/2005/16215

■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के वडोदरा में 35,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी, उद्घाटन किया

चिप्स से लेकर जहाजों तक, भारत अब विनिर्माण क्षेत्र के नए भविष्य का निर्माण कर रहा हैः पीएम मोदी

■ हम भारत के बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहे हैं ताकि तेज गति से लोगों और सामानों की आवाजाही हो सके, नए अवसर पैदा हो सकें और आर्थिक विकास को गति मिल सकेः प्रधानमंत्री ■ समर्पित माल ढुलाई गलियारा तीव्र गति से विकसित हो रहे भारत की जीवनरेखा हैः प्रधानमंत्री

पीआईबी नई दिल्ली, 08 सितंबर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के वडोदरा में 35,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी, उद्घाटन किया और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर उपस्थित विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने इस ऐतिहासिक अवसर पर वहां उपस्थित और ऑनलाइन माध्यमों से जुड़े सभी नागरिकों का स्वागत किया। श्री मोदी ने कहा कि मैं गुजरात के अपने भाइयों और बहनों का स्वागत करता हूं। प्रधानमंत्री ने महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के मैदान में शानदार माहौल का उल्लेख करते हुए प्रगति के इस साझा उत्सव के लिए विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों के एक साथ आने की अनूठी उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने विकास के ऐसे एकजुटतापूर्ण उत्सव को देखकर अपार प्रसन्नता व्यक्त की। श्री मोदी ने कहा, यहां एक साथ सब कुछ हो रहा है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्र की प्रगति को गति देने के लिए हजारों करोड़ रुपये की अवसंरचना परियोजनाओं को समर्पित करते हुए वडोदरा के नागरिकों की ओर से उनके स्वागत में आयोजित असाधारण स्वच्छता अभियान की सराहना की। उन्होंने विकास के इस उत्सव के दौरान सेवा भाव दिखाने के लिए स्थानीय लोगों को धन्यवाद दिया। श्री मोदी ने कहा कि मैं आप लोगों के बीच आज विकसित भारत की यात्रा को और गति देने आया हूं। प्रधानमंत्री ने लाल किले के प्राचीर से घोषित 'सप्तधारा' प्रस्ताव की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए गति शक्ति पहल के माध्यम से तीव्र संपर्क की आवश्यकता पर बल दिया और 2800 किलोमीटर लंबे समर्पित माल गलियारे का निर्माण पूरा होने के ऐतिहासिक पल को याद किया। उन्होंने वडोदरा को गति शक्ति विश्वविद्यालय का वास्तविक शहर बताया जहां इस विशाल परियोजना के अंतिम चरण पूरे हुए। श्री मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के भारत के लिए यह ऐतिहासिक कार्य पूरा हो चुका है। प्रधानमंत्री ने 2014 के बाद प्रगति की तीव्र गति को दर्शाते हुए पूर्वी और पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई गलियारों के सफल कार्यान्वयन की सराहना की जो अब वाणिज्यिक परिदृश्य को मौलिक रूप से बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये नेटवर्क तेजी से देश के वाणिज्य की आधारशिला बन रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि हमने इसे गति दी और 2800 किलोमीटर लंबे गलियारे का काम पूरा करके इसे प्रदर्शित किया। प्रधानमंत्री ने इस नई राष्ट्रीय जीवनरेखा के परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि यात्री और मालगाड़ियों को अलग करने से प्रतिदिन 430 से अधिक मालगाड़ियां चल सकती हैं जिससे ट्रकों की 30 घंटे की यात्रा घटकर मात्र 10-12 घंटे रह गई है।

(समाचार का शेष पेज 3 पर)

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन का 11 सितंबर को होगा संघ प्रदेश थ्रीडी का दौरा

फाइल फोटो

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण/सिलवासा, 8 सितंबर। भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन 11 सितंबर को संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली तथा दमण-दीव के दौरे पर आने वाले हैं। उपराष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन द्वारा 11 सितंबर 2026 को सिलवासा में एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस भव्य कार्यक्रम की अध्यक्षता भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन करेंगे। यह समारोह दोपहर 3 बजे से डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम कॉलेज ऑडिटोरियम, सिलवासा में आयोजित होगा। कार्यक्रम में क्षेत्र के विकास एवं जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास एवं जनकल्याण के विजन की झलक भी देखने को मिलेगी। देश के उपराष्ट्रपति के दमण आगमन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। उनके दौरे को केंद्र शासित प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उपराष्ट्रपति के दौरे को लेकर प्रशासनिक अधिकारी विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा में जुटे हुए हैं। प्रशासन ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले नागरिकों के लिए विशेष निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन द्वारा जारी निर्देश के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम स्थल के अंदर किसी भी प्रकार का हैंडबैग ले जाने की अनुमति नहीं होगी। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन दमण के विकास प्रोजेक्टों का भी दौरा कर सकते हैं।

सारण में बाढ़ के कारण 95 स्कूल बंद, बच्चों की पढ़ाई पर लगा ब्रेक

छपरा (एजेंसी)। बिहार के सारण जिले में नदियों के बढ़ते जलस्तर और बाढ़ का कहर अब बच्चों की शिक्षा पर भारी पड़ने लगा है। सोनपुर से लेकर छपरा सदर तक फैले बाढ़ के पानी ने जिले के 95 विद्यालयों में पठन-पाठन को पूरी तरह ठप किया है। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन सभी विद्यालयों को अगले आदेश तक बंद करने का निर्देश जारी किया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित सोनपुर प्रखंड है, जहां 47 विद्यालयों को बंद किया है। इसके अलावा, दिघवारा में 17, छपरा सदर में 20, गड़खा में 6 और रिविलगंज में 5 विद्यालय बाढ़ के कारण बंद हैं। कई स्कूलों के परिसरों में पानी घुस गया है, वहीं कुछ स्थानों पर विद्यालय तक पहुंचने वाले रास्ते भी पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। प्रशासन उन इलाकों पर भी पैनी नजर रख रहा है जहां पानी तेजी से बढ़ रहा है और जरूरत पड़ने पर अन्य विद्यालयों को भी बंद किया जा सकता है। हालांकि, शिक्षा विभाग ने बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह बाधित न हो, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी की हैं। बंद किए गए विद्यालयों के शिक्षकों को आसपास के अन्य विद्यालयों में संलग्न (अटैच) किया गया है, ताकि उनकी सेवाओं का उपयोग जारी रहे और नजदीकी स्कूलों में शिक्षकों की उपलब्धता बनी रहे। साथ ही, प्रभावित विद्यालयों के बच्चों को यह सुविधा दी गई है कि वे अपनी इच्छा अनुसार समीप के किसी भी खुले विद्यालय में जाकर पढ़ाई कर सकते हैं। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जैसे ही इन विद्यालयों से पानी निकलेगा, 24 घंटे के भीतर उन्हें फिर से खोलने का आदेश जारी कर दिया जाएगा। प्रशासन बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

9वीं के छात्र के साथ रैगिंग, 5 गिरफ्तार

सोलन (एजेंसी)। सोलन के मशहूर डीपीएस डगशाई में नौवीं कक्षा के एक छात्र के साथ मारपीट और रैगिंग का मामला सामने आया है। इसी स्कूल के 5 सीनियर छात्रों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस में दर्ज शिकायत के मुताबिक बीते 5 सितंबर को नौवीं कक्षा के एक मासूम छात्र को सीनियर छात्रों ने उसके हॉस्टल के कमरे से जबरन घसीटकर बाहर निकाला और उसके साथ बुरी तरह मारपीट की। जूनियर छात्रों का आरोप है कि पिछले चार महीनों से सीनियर छात्र उन्हें लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। रैगिंग, गाली-गलौज और शारीरिक हमला यहां आम बात हो चुकी थी। इसी खौफ की वजह से जूनियर छात्र पिछले कई महीनों से भयंकर मानसिक तनाव और डर के साये में जी रहे थे।

केंद्रीय मंत्री ने लंबे जाम में फंसे लोगों को दी राहत खुद खुलवा दिए सारे टोल गेट

त्रिशूर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने केरलम के त्रिशूर में एनएच-544 पर पलियक्कारा टोल प्लाजा के सभी 12 गेट खोलने का आदेश दिया। ऐसा उन्होंने टोल प्लाजा के दोनों तरफ 2 किलोमीटर से अधिक लंबा ट्रैफिक जाम लगने के कारण किया। केंद्रीय मंत्री शाम करीब 5.45 बजे त्रिशूर से एर्नाकुलम जा रहे थे जब उनका काफिला मन्नुथी-अंगमाली स्ट्रेच पर पहुंचा और उन्हें इस भारी जाम का सामना करना पड़ा। भारी जाम के बीच, केंद्रीय मंत्री के पुलिस एस्कॉर्ट ने उनके लिए रास्ता बनाया। हालांकि, इतनी लंबी कतार देखकर मंत्री गोपी ने अपनी जिम्मेदारी समझी और तत्काल हस्तक्षेप का फैसला किया। उन्होंने बताया कि कानूनी नियमों के अनुसार, यदि वाहन लंबी लाइनों में फंसे हों, तब इंजन चालू रहने से ईंधन की बर्बादी और धुएं के उत्सर्जन को रोकने के लिए अदालत के निर्देश हैं कि टोल गेट खोल दिए जाएं ताकि वाहनों को आगे बढ़ने दिया जा सके। केंद्रीय मंत्री गोपी ने स्पष्ट किया कि टोल स्टाफ केवल अपना काम कर रहे थे और उन्हें व्यक्तिगत रूप से जाम के लिए जिम्मेदार नहीं मन सकते। उन्होंने सुझाव दिया कि जिला प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों को भारी ट्रैफिक वाले दिनों में पुलिस के साथ मिलकर काम करना चाहिए और टोल प्लाजा पर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए ताकि यात्रियों को राहत मिल सके। त्रिशूर के सांसद ने स्वीकार किया कि उनके काफिले के निकलने पर कुछ वाहन चालकों को गुस्सा आया होगा, लेकिन उन्हें इस बात से संतुष्टि मिली कि बाद में सभी यात्री आगे बढ़कर राहत महसूस कर पाए।

पीएम मोदी के कार्यक्रम स्थल से नकली पीएमओ अधिकारी गिरफ्तार बंदूक भी बरामद

मुंबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुंबई में होने वाले कार्यक्रम स्थल, नीता अंबानी कल्चरल सेंटर, से पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। इसमें से एक व्यक्ति के पास से एक लोडेड बंदूक बरामद हुई है। गिरफ्तार मुख्य संदिग्ध खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का अधिकारी बता रहा था। मुंबई पुलिस ने 24 वर्षीय रोहन पारेख नामक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से पीएमओ का एक नकली पहचान पत्र मिला। सुरक्षा अधिकारियों को उसके व्यवहार पर संदेह हुआ, जिसके बाद जांच करने पर पहचान पत्र फर्जी निकला। रोहन एक निजी बॉडीगार्ड के साथ घूम रहा था, जिसकी तलाशी लेने पर उसके पास से भरी हुई पिस्तौल बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया।

सवाल पूछने पर दिमागी नक्सल और नाराज़ फूफा जैसे अपमानजनक लेबल लगते हैं

-पीएम मोदी की दिमागी नक्सलियों वाले भाषण पर राहुल गांधी ने बोला तीखा हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर दिए गए दिमागी नक्सलियों वाले भाषण के करीब तीन हफ्ते बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को उन पर तीखा हमला बोला। राहुल गांधी ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलताओं और जवाबदेही से बचने के लिए ऐसे विवादास्पद शब्दों का सहारा लेती है। उन्होंने विशेष रूप से दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में हुए दर्दनाक हादसे का हवाला दिया, जिसमें एक बहुमंजिला इमारत ढहने से सात लोगों की जान चली गई। राहुल गांधी ने एक्स पर ये बातें कहीं। उन्होंने टिना हैशटैग का इस्तेमाल किया, जिसका मतलब है उन्होंने कोई जवाबदेही नहीं बताया। गौरतलब है कि पीएम मोदी के समर्थक टिना फैक्टर का जिक्र करते हैं, जिसका मतलब वे कोई विकल्प नहीं बताते हैं। यह पहली बार है जब राहुल गांधी ने पीएम मोदी के दिमागी नक्सल वाले तंज का जवाब दिया है। कांग्रेस का आरोप है कि बीजेपी सरकार से सवाल पूछने वाले किसी भी व्यक्ति को दिमागी नक्सल कह देती है। सोमवार को हिंदी में किए गए अपने एक्स पोस्ट में राहुल ने कहा कि बीजेपी हमेशा निचले स्तर के अधिकारियों को दोषी ठहराती है और असली दोषियों को बच निकलने देती है, साथ ही, वह त्रासदी को रोकने के लिए कभी कोई कदम नहीं उठाती। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली की सत्य निकेतन त्रासदी कोई अकेली घटना नहीं है और पिछले चार महीनों में राजधानी में ऐसे कई मामले सामने आए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि पिछले चार महीनों में सैदुलाजाब में इसी तरह की त्रासदी में छह लोगों की मौत हुई और हौज़ रानी में आग लगने से 22 लोगों की जान चली गई थी। हर बार, लोगों की जान, सपने और उम्मीदें मलबे के नीचे दब जाती हैं और हर बार, कोई ठोस कार्रवाई देखने को नहीं मिलती। उन्होंने आगे कहा कि और जब आप जवाबदेही की मांग करते हैं, तो पीएम खुद आप पर दिमागी नक्सल और नाराज फूफा जैसे अपमानजनक लेबल लगाते हैं- मकसद यह होता है कि सवाल पूछने की हिम्मत करने वाले किसी भी व्यक्ति को शर्मिंदा किया जाए, बदनाम किया जाए और चुप करा दिया जाए। राहुल ने कहा कि दिल्ली में ट्रिपल-इंजन सरकार है, इसलिए, इस घटना की जिम्मेदारी लेने से बचने के लिए उसके पास कोई बहाना नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि यह बेबसी इच्छाशक्ति की कमी से पैदा होती है क्योंकि जहां इच्छाशक्ति नहीं होती, वहां जवाबदेही भी नहीं होता।

राफेल मानहानि केस में राहुल गांधी को बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका

मुंबई (एजेंसी)। राफेल लड़ाकू विमान सौदे को लेकर वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका लगा है। हाईकोर्ट ने मंगलवार को गिरगांव मजिस्ट्रेट द्वारा जारी समन को चुनौती देने वाली राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी। हालांकि, अदालत ने उन्हें सुप्रीम कोर्ट में अपील करने के लिए छह सप्ताह की राहत दी है। न्यायमूर्ति नितिन बोरकर ने कहा कि निचली अदालत के आदेश में ऐसी कोई स्पष्ट अवैधता या गंभीर खामी नहीं है, जिसके आधार पर हाईकोर्ट को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 482 के तहत अपनी अंतर्निहित शक्तियों का इस्तेमाल कर हस्तक्षेप करना चाहिए। यह मानहानि शिकायत भाजपा सदस्य महेश श्रीश्रीमल ने गिरगांव मजिस्ट्रेट की अदालत में दायर की थी। शिकायत के अनुसार, राजस्थान में एक चुनावी रैली के दौरान राहुल गांधी की कथित टिप्पणियों से भाजपा समर्थकों की भावनाएं आहत हुई थीं। मजिस्ट्रेट ने अगस्त 2019 में राहुल गांधी को समन जारी किया था। उन्हें जुलाई 2021 में समन मिला, जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर पूरी कार्यवाही रद्द करने की मांग की। राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सुदीप पसबोला ने शिकायत को राजनीति से प्रेरित और परेशान करने के उद्देश्य से दायर बताया। उन्होंने तर्क दिया कि शिकायतकर्ता को मानहानि मामले में शिकायत दर्ज कराने का अधिकार नहीं है। वहीं, शिकायतकर्ता की ओर से अधिवक्ता रोहन महाडिक और महाधिवक्ता मिलिंद साठे ने याचिका का विरोध किया।

पुलिस छात्रों को परेशान करने और महिला पत्रकारों के साथ मारपीट करने में व्यस्त

-अभिजीत दीपके ने पोस्ट में लिखा- दिल्ली में कानून-व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने दिल्ली में कानून व्यवस्था को लेकर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली पुलिस छात्रों को परेशान करने में बिजी है। दीपके ने सोशल मीडिया पर एक न्यूजपेपर की कटिंग शेयर की है, जिसमें लिखा है-दिल्ली के किलोकरी गांव में 54 साल के मणिपुरी म्यूजिशियन सी विक्रम सिंह की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। विक्रम अपने अपार्टमेंट के बाहर शराब पीने और शोर मचाने वाले लोगों का विरोध कर रहे थे। उनके घर के बाहर एक ग्रुप ने उन पर हमला किया जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका बेटा उन्हें अस्पताल ले गया जहां उनकी मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिजीत ने ये न्यूजपेपर की कटिंग शेयर करते हुए लिखा- दिल्ली में कानून-व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ चुकी है। दिल्ली पुलिस छात्रों को परेशान करने और शाहीन व नफीसा जैसी महिला पत्रकारों के साथ मारपीट करने में तो बहुत व्यस्त है, लेकिन असल अपराध को रोकने के लिए उसके पास समय नहीं है। एक डिजिटल न्यूज प्लेटफॉर्म के लिए काम करने वाली दो महिला पत्रकारों ने दिल्ली पुलिस पर मारपीट के आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि मुस्लिम पहचान की वजह से उन्हें निशाना बनाया गया। 3 सितंबर को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली के साकेत में एक प्राइवेट हॉस्पिटल के उद्घाटन के लिए गई थीं। पत्रकारों का आरोप है कि वह कार्यक्रम की वीडियो बना रही थीं। तभी पुलिस वालों ने उनसे सवाल-जवाब शुरू कर दिया था। उनका कहना था कि एक सीएम से सवाल पूछने की सजा है कि दिल्ली पुलिस ने अपनी फस्टेशन निकाल दिया। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने चोट के निशान दिखाए हैं। उन्होंने बताया कि ये निशान दिल्ली पुलिस के डंडे से चोट के हैं।

अखिलेश यादव के चवन्नी वाले बयान को चुनाव में खेला करना चाहती है बीजेपी

-संगीत सोम ने कहा- जिसे वह चवन्नी समझ रहे हैं वह उन्हें एकन्नी का भी नहीं छोड़ेंगे

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने हाल ही में जाट नेता और राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया जयंत चौधरी को चवन्नी बताया था। अब पूरी कोशिश हो रही है कि इसे चुनावी मुद्दा बनाया जाए। आरएलडी चीफ चौधरी ने कहा कि जाट समुदाय का इस तरह का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं बीजेपी इस मौके को हाथ से जाने नहीं देना चाहती है। बीजेपी नेता संगीत सोम ने जयंत चौधरी का पक्ष लेते हुए कहा था कि अखिलेश यादव जिसे चवन्नी समझ रहे हैं वह उन्हें एकन्नी का भी नहीं छोड़ेंगे। वहीं जयंत ने कहा कि अगर सियासत की प्रतिद्वंद्विता में कुछ कहना ही था तो मेरा नाम लेकर कहा जा सकता था। एक समुदाय का इस तरह का अपमान करना उन्हें पतन के रास्ते पर ले जाएगा। उन्होंने कहा, इस तरह का अहंकार पहले भी देख चुका हूं। यह केवल पतन का रास्ता है। एनडीए के सहयोगी ओपी राजभर ने भी कहा कि जाट समुदाय का अपमान है। उन्होंने कहा कि इसी जाट समुदाय ने अखिलेश यादव के पिता को सीएम बनाया था। उन्होंने यहां तक कहा कि अखिलेश यादव का दिमागी संतुलन बिगड़ गया है। जयंत चौधरी विपक्ष पर लगातार निशाना साध रहे हैं। हाल ही में सहारनपुर की रैली में उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी गन्ने के मुद्दे का भी राजनीतीकरण कर रही है। उन्होंने कहा कि एथेनॉल उत्पादन से किसान एक और बाजार से जुड़ रहे हैं। यह समाजवादी पार्टी से देखा नहीं जा रहा है। उन्होंने कहा 400 पार तो गन्ने का दाम 400 पर वाला नारा भी दिया। जयंत चौधरी को बीजेपी के लिए ट्रंप कार्ड माना जा रहा है। आरएलडी लंबे समय से जाट और किसानों की राजनीति करती रही है। कभी जाट और मुस्लिमों पर पार्टी का फोकस हुआ करता था। वहीं अब जयंत चौधरी ने बीजेपी से गठबंधन होने के चलते ब्राह्मण समाज को भी फोकस में रखना शुरू कर दिया। 2027 के चुनाव में जयंत चौधरी इसी समीकरण का फायदा उठाना चाहते हैं। एनडीए में रहते हुए अगर वह सवर्ण वोटों में सेंध लगाते हैं तो यह एनडीए के लिए फायदेमंद होगा। जयंत 2027 के चुनाव में 33 से 38 सीटों पर हिस्सेदारी चाहते हैं। इसे बढ़ाया भी जा सकता है। इसके साथ ही उनकी पत्नी चारू चौधरी भी सक्रिय राजनीति में हैं। ऐसे में महिला वोटों में भी उनकी पकड़ मजबूत हो सकती है। वहीं बीजेपी आरएलडी को 20 से 25 सीटें देना चाहती है। अगर जयंत चौधरी अखिलेश यादव के खिलाफ इसी तरह मजबूत रहते हैं तो आरएलडी को ज्यादा सीटें भी दी जा सकती हैं।

दिल्ली बिल्डिंग हादसे के बाद सुप्रीम कोर्ट का दिशा-निर्देश : अब पूरे देश में होगी असुरक्षित इमारतों की जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह दिल्ली के सत्य निकेतन में बिल्डिंग गिरने की घटना के मद्देनजर पूरे देश में इमारतों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की जांच करने पर विचार कर रहा है। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर.महादेवन की बेंच ने मामले पर यह भी कहा कि वह सत्य निकेतन इमारत गिरने के मामले को दिल्ली हाईकोर्ट से अपने पास ट्रांसफर करने पर विचार करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमारे मन में पहले से यह योजना है कि पूरे देश में ऐसी जांच होनी चाहिए। हम इसे (दिल्ली हाईकोर्ट में चल रही याचिका को) यहां ट्रांसफर करवा सकते हैं। हम इस मामले पर परसों यानी 10 सितंबर को सुनवाई करेंगे। कोर्ट का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कोर्ट की ओर से नियुक्त एमिकस क्यूरी (न्यायालय मित्र) और सीनियर एडवोकेट अजीत कुमार कुमार सिन्हा ने इस मुद्दे पर एक याचिका का जिक्र किया। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई थी जिसमें देश भर के प्राइवेट पीजी अकोमोडेशन, हॉस्टल और छात्रों के रहने की अन्य सुविधाओं के निरीक्षण और सुरक्षा ऑडिट के लिए तत्काल निर्देश देने की मांग की गई थी। अजीत कुमार सिन्हा ने कोर्ट को बताया कि हाल ही में हुई दुखद घटना को देखते हुए, यह एक बहुत गंभीर मुद्दा है।

टास्मैक घोटाले और करूर गैंग का मुद्दे पर सीएम विजय ने विपक्ष को घेरा

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को विधानसभा में राज्य की सरकारी शराब कंपनी टास्मैक में हुए कथित भ्रष्टाचार को लेकर पिछली सरकार पर जोरदार हमला बोला। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए गंभीर आरोप लगाए कि 2021 से 2025 के दौरान राज्य में एक संगठित गिरोह काम कर रहा था, जिसे करूर गैंग के नाम से जाना जाता था। यह हमला राज्य के राजनीतिक गलियारों में गरमाहट पैदा कर गया है, खासकर तब जब सत्ताधारी दल नई-नई सत्ता में आया है। मुख्यमंत्री विजय ने आरोप लगाया कि इस गिरोह ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके बड़े पैमाने पर अवैध वसूली, टेंडरों में हेराफेरी और पैसों का अवैध लेनदेन किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से बताया कि उस समय यह विभाग पिछली सरकार के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी के पास था, जिससे सीधे तौर पर उनकी भूमिका पर सवाल उठते हैं। विजय ने आरोप लगाया कि सरकारी नियमों और प्रक्रियाओं को ताक पर रखकर निजी लोगों और राजनीतिक बिचौलियों को अनुचित रूप से ताकत दी गई थी, जिससे एक समानांतर व्यवस्था का निर्माण हुआ जो भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही थी। उन्होंने सदन को बताया कि करूर और कोयंबटूर जैसे इलाकों में शराब खरीदने वालों से तय कीमत से अधिक पैसे वसूले जाते थे और स्थानीय बार मालिकों से जबरन उगाही की जाती थी, जिससे सरकारी राजस्व का भारी नुकसान हुआ और जनता का शोषण हुआ। मुख्यमंत्री ने सेंथिल बालाजी के भाई वी. अशोक कुमार का नाम लेते हुए उन पर फर्जीवाड़े, टेंडर में गड़बड़ी और ट्रांसपोर्ट व खरीदारी के कॉन्ट्रैक्ट से अवैध पैसे ट्रांसफर करने का सीधा आरोप लगाया, जिससे घोटाले की जड़ें और गहरी होती दिख रही हैं। अपने भाषण में, विजय ने 1967 में सी.एन. अन्नादुरई, 1977 में एम.जी. रामचंद्रन और 1983 में एन.टी. रामा राव (आंध्र प्रदेश) की ऐतिहासिक राजनीतिक जीतों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इसी तर्ज पर, उनकी दो साल पुरानी पार्टी तमिलगा वेत्री कज़गम (टीवीके) ने 2026 के विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल करके सरकार बनाई है, जो राज्य के राजनीतिक इतिहास में एक नया मील का पत्थर है और एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने दृढ़ता से कहा, ईश्वर, प्रकृति और जनता हमेशा हमारे साथ हैं। भ्रष्टाचार विरोधी जांच के सामने विपक्ष के सारे दांव उल्टे पड़ेंगे। यह बयान उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है और यह भी इंगित करता है कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख अपनाएगी। सी. जोसेफ विजय विधानसभा में गृह (पुलिस) विभाग की अनुदान मांगों पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे, जो विभाग स्वयं उनके पास है।

नंदीग्राम : जहां ममता खुद हार गईं, वहां किसे लड़ाएगी टीएमसी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम सीट पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है, जहां 6 अक्टूबर को मतदान होगा और 9 अक्टूबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे। हालांकि, इस बार की चर्चा उम्मीदवारों की घोषणा को लेकर है, जो अभी तक सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी दोनों की ओर से नहीं की गई है। यह वही महत्वपूर्ण सीट है जहां 2021 के विधानसभा चुनावों में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी को हराया था, जिससे यह उपचुनाव और भी दिलचस्प हो गया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा यह सीट छोड़ने के बाद उपचुनाव हो रहा है। टीएमसी के संभावित उम्मीदवार के तौर पर कई नामों पर अटकलें लगाई जा रही हैं, जिनमें अखिल गिरि का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। हालांकि, पार्टी की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। टीएमसी इस सीट पर अपनी वापसी सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत झोंक देगी, क्योंकि यह ममता बनर्जी की चुनावी हार का प्रतीक रही है। वहीं, भाजपा ने भी अभी तक अपने उम्मीदवार का नाम घोषित नहीं किया है। सूत्रों के मुताबिक, मेघनाद पाल के नाम की चर्चा है, जिन्हें सीएम अधिकारी का करीबी माना जाता है। भाजपा का दावा है कि पार्टी की ओर से जिसे भी नामित किया जाएगा, वह उम्मीदवार मतदाताओं के लिए स्वीकार्य होगा। दोनों ही प्रमुख दल रणनीति के तहत नामों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं, जिससे यह मुकाबला और भी कड़ा होने की उम्मीद है। नंदीग्राम के साथ ही पश्चिम बंगाल की एक और सीट रेजीनगर में भी उपचुनाव होना है। यह सीट आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) प्रमुख हुमायूं कबीर के इस्तीफा देने के कारण खाली हुई थी। कबीर तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता थे, जिन्होंने पार्टी से निकाले जाने के बाद एजेयूपी का गठन किया और 2021 के विधानसभा चुनाव में रेजीनगर सीट पर जीत हासिल की थी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने पश्चिम बंगाल के अलावा तमिलनाडु में मदुरंतकम और धारापुरम विधानसभा सीटों, पुडुचेरी की थट्टनचावडी सीट और असम के नगांव लोकसभा क्षेत्र में भी 6 अक्टूबर को उपचुनाव कराने की घोषणा की है।

संघ प्रशासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमण और दीव प्रशासन

पर्यटन विभाग, दा.न.ह. एवं दमण एवं दीव

निविदा सूचना

जम्पोर घाट, मोटी दमन में स्केटिंग ट्रैक (रिंक) के डिज़ाइन, आपूर्ति, निर्माण एवं कमीशनिंग हेतु सेवा प्रदाता एजेंसी के चयन के लिए अनुरोध प्रस्ताव (आरएफपी)

Visit https://ddtenders.gov.in/ or, visit https://ddd.gov.in/ dnhddtourism@gmail.com Phone No. 0260-2250002

निविदा आईडी. : 2026_DNHDD_4950_1
निविदा सं. : DT/DDD/JAMPOR/SKATING/2627/165

हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि : 11/09/2026
बोली खुलने की तिथि : 05/09/2026

निदेशक (पर्यटन), पर्यटन विभाग, विद्युत भवन, कचीगाम, दमण – 396 215

No: IP/DMN/2/5/2026-27/476 dtd: 8/9/2026

CHANGE OF NAME

I MEENABEN PRAVINCHANDRA CHANDARANA CHANGING MY NAME FROM OLD NAME MEENABEN PRAVINCHANDRA CHANDARANA/ HIMALIBEN PRAVINCHANDRA THAKKAR/HIMALI THAKKAR TO NEW NAME HIMALI HARDIK THAKKAR R/O B/18 ORION VILL, NAROLI DNH & DD

CHANGE OF NAME

I HARDIK THAKKAR CHANGING MY NAME FROM OLD NAME HARDIK THAKKAR TO NEW NAME HARDIK CHANDRAKANTBHAI THAKKAR R/O B/18 ORION VILLA, NAROLI, DNH&DD

CHANGE OF NAME

I, MUKESHKUMAR MORESHWAR PAWAR S/O MORESHWAR MOTIRAM PAWAR R/O IL-903 TROPICAL GREENS PHASE-2A KAMLI FALIYA DADRA AND NAGAR HAVELI SILVASSA AND DAMAN AND DIU-396230, HAVE CHANGED MY MINOR SON'S NAME REYANSH PAWAR ALIAS REYANSH MUKESHKUMAR PAWAR TO **REYANSH MUKESH PAWAR** AGED 10 YEARS.

CHANGE OF NAME

I, DEVASH KUMAR PANDEY ALIAS DEVESH PANDEY S/O GIRISH KUMAR PANDEY R/O FLAT NO 304 BUILDING-A SAI AURA NEAR HDFC BANK ULTAN FALIYA SILVASSA DADRA & NAGAR HAVELI PO SILVASSA DIST DADRA AND NAGAR HAVELI DADRA AND NAGAR HAVELI AND DAMAN AND DIU-396230, HAVE CHANGED MY NAME TO **DEVESH PANDEY**.

पीएम मोदी का नवसारी में बड़ा संदेश: 'स्वच्छता को आदत बनाएं, जिले को टीबी मुक्त करने का लें संकल्प'

■ एआई से लैस हाईटेक 'नमो कमलम' कार्यालय का किया उद्घाटन, कार्यकर्ताओं से बोले- हर नागरिक की सेवा हमारा संकल्प

■ रेहड़ी-पटरी वालों के लिए सरकारी योजनाओं का जिक्र, तंबाकू-गुटखा की आदत छोड़ने की भी दी नसीहत

नवसारी (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को गुजरात के दौरे पर रहे। वडोदरा की यात्रा के बाद शाम को नवसारी पहुंचे, जहां उन्होंने भाजपा के एआई तकनीक से सुसज्जित हाईटेक कार्यालय 'नमो कमलम' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं और उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए स्वच्छता, टीबी उन्मूलन और सरकारी योजनाओं के प्रभाव सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात रखी।

प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलना उनके लिए हमेशा यादगार अवसर होता है। उन्होंने विश्वास जताया कि नवसारी के नए कार्यालय में बैठने वाले कार्यकर्ता पूरे जिले को एक परिवार की तरह देखेंगे और नए उत्साह व जोश के साथ जनता की सेवा के लिए काम करेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सेवा भाव के साथ काम करने का आ''ान करते हुए कहा कि हर नागरिक का हम पर अधिकार है और हमें उनका विनम्र सेवक बनकर काम करना है। प्रधानमंत्री ने नवसारी जिले को टीबी मुक्त बनाने का भी आ''ान किया। उन्होंने कहा कि टीबी कोई ऐसी बीमारी नहीं है जिसे ठीक नहीं किया जा सकता। यदि मरीज की लगातार छह महीने तक उचित देखभाल की जाए तो वह टीबी से मुक्त हो सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत पूरी दुनिया में टीबी मुक्त होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में यदि नवसारी का प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता यह संकल्प ले कि 'हम नवसारी को टीबी मुक्त करके रहेंगे', तो यह आने वाली पीढ़ियों के कल्याण की दिशा में बड़ा योगदान होगा।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में रेहड़ी-पटरी और लारी-गल्ला चलाने वाले लोगों की आर्थिक परेशानियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि पहले छोटे दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों को कारोबार के लिए निजी स्तर पर ब्याज पर पैसा लेना पड़ता था। इससे उनकी कमाई का बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने में चला जाता था। उन्होंने कहा कि सरकार ने ऐसे लोगों की ईमानदारी पर भरोसा करते हुए बिना गारंटी बैंकिंग और डिजिटल भुगतान की व्यवस्था को बढ़ावा दिया। पीएम मोदी ने बताया कि कई रेहड़ी-पटरी वालों को पहले 15 हजार रुपये का ऋण मिला और समय पर भुगतान करने पर बाद में 30 हजार और 50 हजार रुपये तक की ऋण सुविधा उपलब्ध हुई।

उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं ने कई लोगों की जिंदगी बदलने का काम किया है। पहले जहां रेहड़ी-पटरी वाले केवल एक दिन का सामान खरीदते थे, वहीं अब कई लोग सप्ताह भर का माल खरीदने की स्थिति में हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि नवसारी में कोई भी पात्र रेहड़ी-पटरी वाला सरकारी योजना के लाभ से वंचित न रहे। स्वच्छता को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने नवसारीवासियों से विशेष अपील की। उन्होंने कहा कि सावन में भगवान शिव की पूजा के बाद गणपति उत्सव, नवरात्रि और फिर दीपावली जैसे त्योहार आने वाले हैं। ऐसे में यदि पूरा क्षेत्र स्वच्छ रहेगा तो त्योहारों की सुंदरता और भी बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं है। सफाईकर्मी अपना काम कर रहे हैं, लेकिन गंदगी न करने की जिम्मेदारी हर नागरिक की है। उन्होंने लोगों से संकल्प लेने को कहा कि वे स्वयं गंदगी नहीं करेंगे और दूसरों को भी गंदगी करने से रोकेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि यदि लोग गंदगी करना ही बंद कर दें तो बार-बार स्वच्छता अभियान चलाने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। उन्होंने नवसारी को स्वच्छ रखने के लिए इसे सामूहिक जिम्मेदारी बनाने की अपील की।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में गुटखा और तंबाकू की आदत को लेकर भी लोगों को आगाह किया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर गुटखा खाकर थूकने से गंदगी फैलती है और स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ता है। उन्होंने लोगों से गुटखा और तंबाकू छोड़ने की अपील करते हुए कहा कि कैंसर के डॉक्टर भी ऐसी आदतों से दूर रहने की सलाह देते हैं। प्रधानमंत्री ने नवसारीवासियों से स्वच्छता के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का भी आह्वान किया।

(पेज 1 का शेष समाचार)

चिप्स से लेकर जहाजों तक, भारत अब विनिर्माण क्षेत्र के नए भविष्य...

उन्होंने स्पष्ट किया कि अब 100 किलोमीटर की दूरी तय करने में पूर्व की तुलना में आधे से भी कम समय लगता है जिससे ईंधन की बचत होती है, माल ढुलाई का खर्च कम होता है और पर्यावरण की रक्षा होती है। श्री मोदी ने कहा, ऱ्यह निवेश एक ही ट्रैक पर किया गया था, लेकिन इससे अनेक लाभ प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री ने विस्तारित लॉजिस्टिक्स नेटवर्क से कृषि क्षेत्र को होने वाले व्यापक लाभों का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार पूर्वी और पश्चिमी भारत के किसान अब जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं को तेजी से बड़े बाजारों तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि मौसमी फूल, सब्जियां और फल जैसी जल्दी खराब होनेवाली वस्तुएं अब उपभोक्ताओं और मंडियों तक समय पर पहुंच रही हैं। श्री मोदी ने कहा, इससे किसानों को अत्यधिक लाभ हुआ है। प्रधानमंत्री ने नए कॉरिडोर पर उल्लेखनीय परिचालन उपलब्धि के बारे में जानकारी साझा करते हुए जेएनपीटी बंदरगाह से वडोदरा तक डबल-स्टैक कंटेनर मालगाड़ी के सफल संचालन की सराहना की। उन्होंने बताया कि इस एक ट्रेन की यात्रा ने मुंबई से सीधे 250 से अधिक ट्रकों के बराबर माल कुशलतापूर्वक पहुंचाया। श्री मोदी ने कहा, अब देश के एक कोने से दूसरे कोने तक बड़ी मात्रा में माल तेजी से पहुंचाया जा सकेगा। प्रधानमंत्री ने गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों तक रेल सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए अपने प्रशासन की ओर से निरंतर शुरू किए गए प्रयासों पर बल दिया। उन्होंने एक नई ट्रेन शुरू किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की जिससे छोटा उदेपुर और अलीराजपुर जाने वाले यात्रियों को काफी लाभ होगा। श्री मोदी ने कहा, रेल अब भारत के उन हिस्सों तक पहुंच रही है जहां दशकों से नहीं पहुंची थी। प्रधानमंत्री ने सड़कों, मेट्रो, हवाई अड्डों और गैस पाइपलाइनों सहित बुनियादी ढांचे के विकास के व्यापक आर्थिक प्रभावों का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि मुख्यतः 2.75 लाख करोड़ रुपये से अधिक के ऐतिहासिक रेलवे बजट के कारण लाखों रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि गरीबों के लिए घरों का निर्माण और बंदरगाहों का विस्तार करना आसपास के क्षेत्रों में नए उद्योगों और व्यवसायों को स्वाभाविक रूप से बढ़ावा देता है। श्री मोदी ने कहा, रेलवे के आधुनिकीकरण पर हो रहा खर्च हजारों-हजार नए रोजगार सृजित कर रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने 'सप्तधारा' दृष्टिकोण के विनिर्माण स्तंभ की ओर बढ़ते हुए वस्त्र उद्योग से लेकर पेट्रोरसायन तक वडोदरा के 150 वर्षों के औद्योगिक विकास और पिछले दो दशकों में एमएसएमई के केंद्र के रूप में बड़े पैमाने पर इसके विकास की सराहना की। उन्होंने गर्व से शहर की इस उपलब्धि को स्वीकार किया कि यह भारत के पहले स्वदेशी निर्मित सैन्य परिवहन विमान का जन्मस्थान है। श्री मोदी ने कहा, सी-295 विमान की पहली उड़ान यहीं से हुई है। प्रधानमंत्री ने पिछले एक दशक में देश की औद्योगिक क्षमता में हुई तीव्र वृद्धि को दर्शाते हुए ठोस आंकड़े प्रस्तुत किए जो आधुनिक रेलवे कोच, वैगन और लोकोमोटिव इंजन के प्रमुख वैश्विक निर्माता के रूप में भारत के परिवर्तन को प्रदर्शित करते हैं। उन्होंने बताया कि 2014 से अब तक देश में 50,000 आधुनिक कोचों का सफलतापूर्वक उत्पादन किया गया है और रेलवे नेटवर्क में लगभग 2.5 लाख वैगन शामिल किए गए हैं। श्री मोदी ने कहा, भारत रेल कोच, मेट्रो कोच और रेल इंजन का प्रमुख निर्माता बन गया है। प्रधानमंत्री ने महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं में पूर्ण आत्मनिर्भरता की दिशा में चल रहे अभियान का समर्थन करते हुए सौर पीवी मॉड्यूल के घरेलू उत्पादन का उल्लेख किया जिससे पूर्ववर्ती अत्यधिक आयात लागत में भारी कमी आई और 200 गीगावाट की विशाल क्षमता का निर्माण हुआ। उन्होंने कडाना बांध फ्लोटिंग सोलर परियोजना और प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की जिसने गुजरात में 11 लाख सहित देशभर में 55 लाख परिवारों को बिजली उत्पादक बनने और बड़े पैमाने पर स्थानीय रोजगार सृजित करने के लिए सशक्त बनाया है। श्री मोदी ने कहा, भारत अब चिप से लेकर जहाज तक विनिर्माण की नई गाथा लिख रहा है। प्रधानमंत्री ने विरोधियों की ओर से फैलाई गई झूठी बातों को खारिज करते हुए उन युवाओं पर गहरा विश्वास व्यक्त किया जो सौर, पवन, जल और परमाणु क्षेत्रों में सरकार के गहन प्रयासों के साक्षी बने हैं। उन्होंने राष्ट्रीय विकास में हो रही अभूतपूर्व प्रगति को स्वीकार करने के लिए युवा पीढ़ी की प्रशंसा की। श्री मोदी ने कहा, भारत के युवा सत्य की गर्जना के साथ आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने डेटा सेंटर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों को शक्ति प्रदान करने के लिए मजबूत विद्युत प्रणाली की रणनीतिक आवश्यकता पर बल देते हुए इस बात की पुष्टि की है कि यूरेनियम, महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के लिए सक्रियता से अंतरराष्ट्रीय समझौते किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि देश को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में वैश्विक महाशक्ति बनना है तो इस आवश्यक बुनियादी ढांचे का निर्माण अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्री मोदी ने कहा, यह सारा कठिन कार्य केवल देश के युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था के बदलते स्वरूपों के संबंध में चर्चा करते हुए इस बात पर बल दिया कि पारंपरिक डिग्रियां अब पर्याप्त नहीं हैं जिसके कारण राष्ट्रीय शिक्षा नीति का व्यापक पुनर्गठन आवश्यक हो गया है ताकि निरंतर कौशल संवर्धन को प्राथमिकता दी जा सके। उन्होंने कहा कि शिक्षण और प्रशिक्षण संस्थानों को विश्व की बदलती मांगों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से नया रूप दिया जा रहा है। श्री मोदी ने कहा, युवाओं के लिए कौशल प्राप्त करना और उन कौशलों में सुधार करके नयापन लाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। प्रधानमंत्री ने लाल किले से दिए गए महत्वपूर्ण वचन को पूरा करते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त कोचिंग प्रदान करने की ऐतिहासिक पहल की घोषणा की जिसका उद्देश्य निर्धन और मध्यम वर्ग के परिवारों पर पड़ने वाले भारी आर्थिक बोझ को कम करना है। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रशासन अपने करियर की तैयारी कर रहे छात्रों की आकांक्षाओं को साकार करने की पूरी जिम्मेदारी लेगा। श्री मोदी ने कहा, सरकार स्वयं हमारे युवाओं की कोचिंग का ख्याल रखेगी। प्रधानमंत्री ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र से आगे बढ़कर मूलभूत क्षमता मानते हुए कृषि, स्वास्थ्य सेवा और रोबोटिक्स में नवाचार लाने में सक्षम एआई-कुशल युवाओं को तैयार करने के लिए व्यापक राष्ट्रीय अभियान की योजना की घोषणा की। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इन अत्याधुनिक उपकरणों में महारत हासिल करने से विनिर्माण संबंधी उत्पादकता बढ़ेगी और नवोन्मेषी स्टार्टअप को बढ़ावा मिलेगा। श्री मोदी ने कहा, ऱहम चाहते हैं कि हमारी युवा पीढ़ी एआई के लिए तैयार हो। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के अंत में प्रभावशाली रूप से आह्वान करते हुए राष्ट्र से इस अभूतपूर्व जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने और 2047 तक देश का कायाकल्प करने पर अडिग रहने का आग्रह किया। उन्होंने चल रहे विकास कार्यों के लिए शुभकामनाएं देते हुए अपना भाषण समाप्त किया। श्री मोदी ने कहा, ऱहमें निरंतर प्रयास करना होगा ताकि भारत विकसित हो सके।

CHANGE OF NAME

I, RAKESH JESSA S/O JESSA NARAN R/O HOUSE NO 892/2 GANDHIPARA DIU, DAMAN AND DIU 362520, HAVE CHANGED MY NAME TO **RAKESHKUMAR JASABHAI MAKWANA.**

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGE OF MY NAME FROM HIREN PARMAR TO **NEW NAME HIREN KANTILAL PARMAR.**
ADD.: SURVEY NO. 882/1/3, PLOT NO. 23, H NO. VRD032-1, VRAJDHAM SOCIETY, NEAR PARK CITY, SILVASSA - 396230, UT OF DNH&DD

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY OLD NAME FROM SWETA/SWETA VIMALBHAI JOSHI/ SWETA HEM DESAI TO **NEW NAME SWETA VIMAL JOSHI** AS PER DOCUMENTS.

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY OLD NAME FROM KALPA CHAMANLAL VALERA TO **NEW NAME KALPA CHIRAG JOSHI** AS PER DOCUMENTS.

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY OLD NAME FROM SAMPATRAJ BHERULAL DANGRA TO **NEW NAME SAMPATLAL RANGLALJI DANGRA** AS PER DOCUMENTS.

CHANGE OF NAME

I, JHA RISHABH ROSHANBHAI S/O ROSHAN KUMAR RAMMOHAN JHA R/O ROOM NO.S-31 2ND FLOOR CENTER POINT SOMNATH DABHEL DAMAN AND DIU-396210, HAVE CHANGED MY NAME TO **JHA RISHABH ROSHAN KUMAR.**

SSR INSTITUTE OF MANAGEMENT & RESEARCH, SILVASSA

Empower Yourself @ IMR

Permanently Affiliated to Savitribai Phule Pune University (SPPU), Pune and Approved by AICTE, New Delhi & DTE, Mumbai, Maharashtra

DTE Code: 06169 Choice Code: 0616910110

BBA ADMISSION NOTICE: 2026-27

SSR IMR invites the applications for the First Year BBA admissions for Institute Level seats (IL) and Against CAP Seats (seats vacant after CAP rounds) from the registered students with Directorate of Technical Education (DTE) / State CET CELL, Mumbai, Maharashtra.

All admissions are governed by the rules published & prescribed in the Information brochure by the Govt. of Maharashtra, State Common Entrance Test Cell, DTE Mumbai, and Maharashtra. (https://cetcell.mahacet.org/)

Last date for Distribution & submission of Application Forms is 9th Sept. 2026 at the Institute's office between **10:00 AM to 04:00 PM.**

We accept Entrance scores as approved by the DTE / CET Cell, Maharashtra. Entrance Test accepted: MH CET, CUET (501 General test)

Sayli - Silvassa Road, Silvassa - 396230, UT of DNH & DD
Contact Details: 9081160002, 9737878757
director@ssrimr.edu.in, www.ssrimr.edu.in

SSR INSTITUTE OF MANAGEMENT & RESEARCH, SILVASSA

Empower Yourself @ IMR

Permanently Affiliated to Savitribai Phule Pune University (SPPU), Pune and Approved by AICTE, New Delhi & DTE, Mumbai, Maharashtra

DTE Code: MB 06169 Choice Code: 0616910110

MBA ADMISSION NOTICE: 2026-27

SSR IMR invites the applications for the First Year MBA admissions for Institute Level seats (IL) including the DNH Quota Seats and Against CAP Seats (seats vacant after CAP rounds) from the registered students (FC/SC) with Directorate of Technical Education (DTE) / Admission Regulatory Authority (ARA), Mumbai, Maharashtra.

All admissions are governed by the rules published & prescribed in the Information brochure by the Govt. of Maharashtra, State Common Entrance Test Cell, DTE / ARA, Mumbai, Maharashtra. (https://cetcell.mahacet.org/)

Last date for Distribution & submission of Application Forms is 9th Sept. 2026 at the Institute's office between **10:00 AM to 04:00 PM.**

We accept Entrance scores as approved by the DTE / CET Cell, Maharashtra. (MH CET/ CAT/ CMAT/ MAT/ ATMA/ GMAT/ XAT)

Sayli - Silvassa Road, Silvassa - 396230, UT of DNH & DD
Contact Details: 9081160002, 9737878757
director@ssrimr.edu.in, www.ssrimr.edu.in

SSR COLLEGE OF PHARMACY, SAYLI, SILVASSA

(NBA Accredited B. Pharm for 2019-2025, Affiliated to SPPU; Approved by PCI; Recognized by DTE Maharashtra)

ADMISSION OPEN 2026-27

Applications are invited for eligible candidates for the Direct Second Year Pharmacy of Full-Time Undergraduate Degree Course in Academic Year 2026-2027 for the seats left vacant after the CAP rounds, CET cell, Maharashtra. Forms will be available as per the schedule given below.

Course	Forms Available
Direct Second Year Pharmacy	09-09-2026 to 10-09-2026 up to 3:00 pm
Display of Merit List on Website	11-09-2026

Place: Admin Office, SSR College of Pharmacy

Address: Sayli, Silvassa -396 230, UT of Dadra & Nagar Haveli, India; Mob: 9081160003, Ph.: 0260 - 2681105/6;
Email: principalssrcp@gmail.com
Website: www.ssrpharmacy.edu.in

बड़ोदरा से विकास की नई रेल, गुजरात की धरती से देश को नई रफ्तार

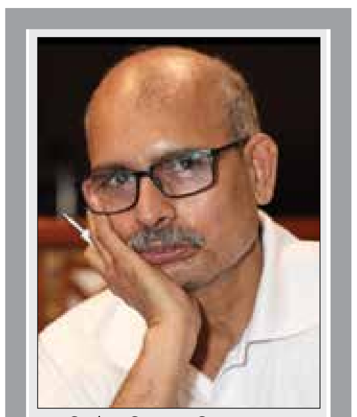

विनोद सिंह 'तकियावाला'

बड़ोदरा की धरती से होने वाला यह कार्यक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण रहा क्योंकि इसकी सबसे बड़ी कड़ी देश के वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जुड़ी है। प्रधानमंत्री ने इसके तीन महत्वपूर्ण खंड राष्ट्र को समर्पित किए। कुल 326 रूट किलोमीटर लंबे इन खंडों को 20,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। इनमें सानंद (उत्तर)-मकरपुरा, न्यू उमरगाँव-न्यू सफाले तथा न्यू सफाले-जेएनपीए खंड शामिल हैं। इन खंडों के राष्ट्र को समर्पित होने के साथ वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का पूरा नेटवर्क परिचालन में आ गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अपने गृह राज्य गुजरात की धरती बड़ोदरा से देश के बुनियादी ढाँचे और रेल कनेक्टिविटी के विकास का एक नया अध्याय जोड़ा। बड़ोदरा में आयोजित कार्यक्रम में 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण, उद्घाटन, राष्ट्र को समर्पण और शिलान्यास किया गया। इनमें रेल, माल ढुलाई, सड़क, कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय विकास से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाएँ शामिल हैं।

बड़ोदरा की धरती से होने वाला यह कार्यक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण रहा क्योंकि इसकी सबसे बड़ी कड़ी देश के वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जुड़ी है। प्रधानमंत्री ने इसके तीन महत्वपूर्ण खंड राष्ट्र को समर्पित किए। कुल 326 रूट किलोमीटर लंबे इन खंडों को 20,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। इनमें सानंद (उत्तर)-मकरपुरा, न्यू उमरगाँव-न्यू सफाले तथा न्यू सफाले-जेएनपीए खंड शामिल हैं। इन खंडों के राष्ट्र को समर्पित होने के साथ वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का पूरा नेटवर्क परिचालन में आ गया है।

यह उपलब्धि केवल रेलवे की नई पटरियों के विस्तार की कहानी नहीं है। यह देश की अर्थव्यवस्था और लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को नई गति देने वाली आधारभूत संरचना है। मालगाड़ियों के लिए अलग समर्पित कॉरिडोर उपलब्ध होने से माल परिवहन की गति बढ़ेगी, ट्रांजिट टाइम कम होगा और औद्योगिक क्षेत्रों तथा बंदरगाहों के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी। जेएनपीए तक सीधी कनेक्टिविटी से आयात-निर्यात के माल की आवाजाही अधिक सुगम होने के साथ लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में भी मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के पूर्ण होने को देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए इसे विकसित भारत की यात्रा से जोड़ा। उन्होंने आधुनिक बुनियादी ढाँचे को देश की आर्थिक प्रगति की आधारशिला बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सड़क, रेल, बंदरगाह और अन्य आधारभूत सुविधाओं का तेज विस्तार आवश्यक है। उनके संबोधन में गुजरात के विकास को देश के विकास से जोड़ने और विकास की गति को और तेज करने का संदेश भी स्पष्ट दिखाई दिया।

भारत जैसे विशाल देश में आर्थिक विकास की गति केवल उत्पादन बढ़ाने से निर्धारित नहीं होती। उत्पादन को बाजार तक पहुँचाने की गति, कच्चे माल को उद्योग तक पहुँचाने की क्षमता और बंदरगाहों से देश के अलग-अलग हिस्सों तक माल पहुँचाने की दक्षता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इसी दृष्टि से डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर भारत के बदलते

लॉजिस्टिक्स तंत्र की रीढ़ बनने की क्षमता रखता है।

प्रधानमंत्री ने विभिन्न स्थानों से मालगाड़ी सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाई। न्यू सानंद (उत्तर), न्यू मकरपुरा, न्यू उमरगाँव और न्यू जेएनपीए से मालगाड़ी सेवाओं की शुरूआत पश्चिमी भारत के औद्योगिक और व्यापारिक नेटवर्क को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे उद्योगों को माल की तेज आवाजाही का विकल्प मिलेगा और बंदरगाहों से जुड़ी आपूर्ति श्रृंखला को भी मजबूती मिल सकती है रेल विकास का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष यात्री सुविधाओं और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी से जुड़ा है। प्रधानमंत्री ने बड़ोदरा और टांडा रोड के बीच नई ट्रेन सेवा को भी हरी झंडी दिखाई। इससे बड़ोदरा के साथ छोटा उदयपुर और अलीराजपुर जैसे क्षेत्रों के लोगों को बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध होने की उम्मीद है। वहीं छोटा उदयपुर-धार रेल परियोजना के हिस्से के रूप में विकसित जोबट-टांडा रोड नई रेल लाइन को राष्ट्र को समर्पित किया गया। यह रेल लाइन अलीराजपुर के दूरदराज और आदिवासी क्षेत्रों को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ने की दृष्टि से विशेष महत्व रखती है। रेल संपर्क किसी क्षेत्र के लिए केवल आवागमन का साधन नहीं होता, बल्कि उसके साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, व्यापार और पर्यटन की संभावनाएँ भी आगे बढ़ती हैं। ऐसे क्षेत्रों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी देना उन्हें आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

बड़ोदरा से आज केवल तैयार परियोजनाओं का उद्घाटन नहीं हुआ, बल्कि भविष्य की रेल क्षमता बढ़ाने की नींव भी रखी गई। प्रधानमंत्री ने लगभग 329 किलोमीटर लंबी तीन रेल परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इन पर 9,700 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्तावित है। इनमें वडोदरा-रतलाम तीसरी और चौथी रेल लाइन, मियागाम करजन-चोरंडा-मालसर गेज परिवर्तन तथा विश्वामित्री-दभोई डबलिंग परियोजना शामिल हैं।

वडोदरा-रतलाम के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन का विस्तार विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। गुजरात और मध्य प्रदेश को जोड़ने वाला यह रेल मार्ग यात्री तथा माल परिवहन दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। अतिरिक्त रेल लाइनें बनने से मार्ग की क्षमता बढ़ेगी, ट्रेनों के संचालन में सुविधा होगी और बढ़ते यातायात के दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। विकास के साथ जब यात्री और माल परिवहन की आवश्यकता लगातार बढ़ रही हो, तब रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ाना समय की आवश्यकता बन जाता है।

सड़क परिवहन को भी कार्यक्रम में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया। प्रधानमंत्री ने लगभग 1,780 करोड़ रुपये की लागत वाली तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इनमें एनएच-48 के कामरेज-चलथान खंड का छह लेन में विस्तार, वडोदरा-सूरत खंड में तापी और नर्मदा पर प्रमुख पुलों सहित अतिरिक्त संरचनाओं का निर्माण तथा एनएच-53 पर अभवा, मिंधोला और खजोद जंक्शन पर ग्रेड-सेपरेटेड संरचनाओं का निर्माण शामिल है।

रेल और सड़क–दोनों क्षेत्रों में एक साथ हो रहा यह विस्तार बताता है कि आधुनिक भारत में कनेक्टिविटी को विकास की बुनियादी शर्त माना जा रहा है। किसी उद्योग को बाजार से जोड़ना हो, किसी बंदरगाह को औद्योगिक क्षेत्र से जोड़ना हो या किसी दूरदराज गाँव और आदिवासी क्षेत्र को राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा से जोड़ना हो, मजबूत परिवहन नेटवर्क उसकी पहली आवश्यकता है।

गुजरात की धरती से इन परियोजनाओं का शुभारम्भ अपने आप में विशेष संदेश देता है। गुजरात लंबे समय से उद्योग, बंदरगाह, व्यापार और निवेश के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाए हुए है। ऐसे में राज्य में रेल और सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने का प्रभाव केवल गुजरात तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पश्चिमी भारत के व्यापक औद्योगिक और व्यापारिक तंत्र पर पड़ेगा।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के माध्यम से बंदरगाहों तक माल की तेज आवाजाही, औद्योगिक केंद्रों तक बेहतर कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स लागत में संभावित कमी भारतीय उद्योग को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त देने में सहायक हो सकती है। यही कारण है कि बड़ोदरा से शुरू होने वाली इन परियोजनाओं को केवल क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसका संबंध देश की अर्थव्यवस्था, निर्यात क्षमता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका से भी जुड़ा है।

बड़ोदरा की धरती आज एक ऐसे विकास मॉडल की साक्षी बनी है, जिसमें रेलवे की नई पटरी केवल शहरों और राज्यों को नहीं जोड़ती, बल्कि उद्योग और बाजार को, बंदरगाह और उत्पादन केंद्र को तथा गाँव और महानगर को एक-दूसरे से जोड़ती है।

प्रधानमंत्री के संबोधन का व्यापक संदेश भी इसी दिशा में रहा कि विकसित भारत का संकल्प मजबूत बुनियादी ढाँचे के बिना पूरा नहीं हो सकता। नई रेल लाइनें, समर्पित माल ढुलाई गलियारे, आधुनिक राजमार्ग और बेहतर क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मिलकर देश की आर्थिक क्षमता को बढ़ाने का आधार तैयार करते हैं।

आज बड़ोदरा से विकास की जो नई रेल चली है, उसकी मंजिल केवल गुजरात नहीं है। इसकी दिशा पूरे देश की आर्थिक रफ्तार, बेहतर कनेक्टिविटी और विकसित भारत के उस संकल्प की ओर है, जिसमें आधुनिक बुनियादी ढाँचा आने वाली पीढ़ियों की आकांक्षाओं को पूरा करने का आधार बनेगा। गुजरात की धरती से शुरू हुआ यह विकास का सफर देश की विकास यात्रा को नई गति देने की क्षमता रखता है।

संपादकीय

जानलेवा हॉस्टल

दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर के निकट स्थित पांच मंजिला इमारत ढहने की घटना में मरने वाले छात्रों की संख्या सोमवार को सात घोषित की गई। अभी कुछ और छात्रों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। कुंभकरणी नींद में सोई हुई राज्य सरकार अब जागी है। राजस्थान पहुंचकर पुलिस ने फरार हॉस्टल मालिक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार दिखाया है। उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या, भवन के रखरखाव में लापरवाही बरतने और दूसरों की सुरक्षा खतरे में डालने के आरोप दर्ज किए गए हैं। वहीं दिल्ली की मुख्यमंत्री के निर्देश पर पांच अधिकारियों को निलंबित किया गया है। निलंबित किए गए अधिकारियों में दिल्ली नगर निगम के दक्षिण जोन के उपायुक्त, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता,सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता शामिल हैं। इतना ही नहीं, सरकार ने रविवार रात हुई घटना की मजिस्ट्रेटी जांच करने के भी आदेश दिए हैं। सवाल उठता है कि किसी जानलेवा हादसे के बाद ही ऐसी कार्रवाई करने की जरूरत क्यों पड़ती है? क्यों पहले ही बेगुनाह लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाले भवनों की जांच करके मालिकों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की जाती? उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं होती, जिनका दायित्व रिहाइशी भवनों व्यावसायिक भवनों में बदलने की जांच करना होता है? इस मुद्दे पर दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है, जो उसने इस मुद्दे पर दायर जनहित याचिका पर सोमवार की सुनवाई के दौरान की। दिल्ली हाईकोर्ट ने दो टूक शब्दों में कहा कि इस हादसे के लिये सिर्फ भवन मालिक ही नहीं, बल्कि दिल्ली नगर निगम और दिल्ली विश्वविद्यालय भी जिम्मेदार है। विश्वविद्यालय अन्य राज्यों से आने वाले छात्रों के लिये रहने के लिये जरूरी सुविधा देने में विफल रहा है। जिसके कारण छात्रों को निजी पेइंग गेस्ट यानी पीजी में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। अदालत ने संबंधित विभागों को दस दिनों के भीतर याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा है। यह दुखदायक ही कहा जाएगा कि दिल्ली में पालम, विवेक विहार, साकेत, मालवीय नगर के बाद अब सत्य निकेतन का दुखद हादसा सामने आया है।

चिंतन-मनन

प्रेम और समर्पण

प्रेम जीवन की परम समाधि है. प्रेम ही शिखर है जीवन ऊर्जा का. वही गौरीशंकर है जिसने प्रेम को जाना, उसने सब जान लिया. जो प्रेम से वंचित रह गया, वह सभी कुछ से वंचित रह गया। प्रेम की भाषा को ठीक से समझ लेना जरूरी है। प्रेम के शास्त्र को ठीक से समझ लेना जरूरी है। क्योंकि प्रेम ही तीर्थयात्रा है। उससे ही पहुंचने वाले पहुंचे हैं और जो नहीं पहुंचे, वे इसलिए नहीं पहुंचे कि उन्होंने जीवन को कोई और रंग दे दिया, जो प्रेम का नहीं था। प्रेम का अर्थ है, समर्पण की दशा, जहां दो मिटते हैं, एक बचता है। जहां प्रेमी और प्रेम पात्र अपनी सीमाएं खो देते हैं, जहां उनकी दूरी समग्र रूपेण शून्य हो जाती है। यह उचित नहीं कि प्रेमी और प्रेम-पात्र करीब आ जाते है; क्योंकि करीब होना भी दूरी है।

पास नहीं आते खो जाते हैं। निकटता में भी तो फासला है। प्रेम उतना फासला भी बर्दाश्त नहीं करता। प्रेम दो को एक बना देता है। प्रेम अद्वैत है। इस प्रेम को हम थोड़ा समझें। ऐसा तो व्यक्ति ही खोजना कठिन है, जिसने प्रेम न किया हो। गलत ढंग से किया हो, गलत प्रेम पात्र से किया हो, लेकिन प्रेम किये बिना तो कोई बच नहीं सकता क्योंकि वह तो जीवन की सहज अभिव्यक्ति है। तो तीन तरह के प्रेम हैं। समझ लें। पहला जिसमें सौ में से निन्यानबे लोग उलझ जाते हैं। वह वस्तुओ का प्रेम है- धन का, संपदा का, मकान का, तिजोरियों का। वस्तुओ का प्रेम- प्रेम के लिए सबसे बड़ा धोखा है लेकिन उसमें कुछ खूबी है; इसलिए सौ में से निन्यानबे लोग उसमें पड़ जाते हैं और वह खूबी यह है कि वस्तुओं के प्रति तुम्हें समर्पण नहीं करना पड़ता। वस्तुओं को तुम अपनी तरफ आकर्षित कर लेते हो। तुम्हारी कार, तुम्हारी कार है। तुम्हारा मकान, तुम्हारा मकान है। तुम समर्पित होने से बच जाते हो। और तुम्हें यह अहसास होता है, कि वस्तुएं तुम्हारे प्रति समर्पित हैं। एक तरह का अद्वैत सध जाता है।

तुम हाथ में रुपया रखे हो। रुपये की सीमा और तुम्हारी सीमा मिट गई। रुपया बाधा नहीं डालता सीमा के मिटने में और तुम्हें समर्पण करने के लिए मजबूर नहीं करता। रुपया समर्पित है। तुम जो चाहो करो, रुपया ना-नुकुर नहीं करेगा। तुम चाहे नदी में फेंक दो, तुम चाहे भिखारी को दे दो, तुम चाहे कुछ सामान खरीद लो, तुम चाहे तिजोरी में संभाल कर रखो। रुपयें की कोई अपनी मनोदश नहीं है। रुपया पूरा समर्पित है।

हर हादसे के बाद कोई बख्शा नहीं जाएगा का जुमला

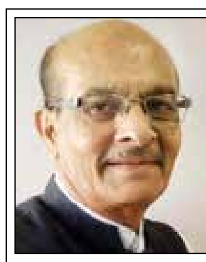

सनत जैन

जब भी कोई बड़ा हादसा होता है या कोई ऐसा अपराध होता है जिससे सरकार के लिए परेशानी खड़ी हो सकती है, उस समय पर भाजपा नेताओं के जो बयान आते हैं उसमें कहा जाता है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी, कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगा। लेकिन यह एक जुमला है जो भाजपा शासित राज्यों में और भाजपा के नेताओं द्वारा पिछले कई सालों से बोला जा रहा है। कार्यवाही के नाम पर 9 दिन चले अढाई कोस की स्थिति बनी रहती है। जांच के नाम पर बड़े-बड़े दावे और वादे किए जाते हैं, लेकिन ना तो कभी जाँच रिपोर्ट सामने आती है ना ही किसी अपराधी को सजा मिलती हुई दिखती है। ताबड़तोड़ तरीके से बड़ी-बड़ी कार्यवाही दिखावे के लिए हो जाती है, लेकिन असल में होता-जाता कुछ नहीं है। मामले को शांत करने के लिए हर दुर्घटना, हादसे और अपराध में सरकारी खजाने से मुआवजा देकर मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है। इसे कहते हैं हर्र लगे ना फिटकरी, रंग चोखा हो जाए। सरकारी खजाने से मुआवजा देकर भाजपा नेता वाहवाही लूट लेते हैं। मामला भी शांत हो जाता है, जांच के बहाने मामला महीनों और सालों के लिए ठंडे बस्ते में चला जाता है। पिछले एक दशक से यही सब देखने को मिल रहा है। आम जनता को दोनों तरफ से नुकसान उठाना पड़ता है। सरकार और घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही से जान और माल से हाथ धोना पड़ता है। यह घटना लगातार चलती रहती है। घटना हो जाने के बाद भी कोई सुधार नहीं आता है। जो दावे नेता और अधिकारियों द्वारा किए जाते हैं वह केवल बयान तक सीमित रहते हैं।

दिल्ली में हाल ही में जो इमारत गिरी है, इसमें सात की मौत हो गई है। करीब एक दर्जन घायल छात्र अस्पताल में भर्ती हैं। पूरी दिल्ली में इस तरह के निर्माण हजारों की संख्या में है। दिल्ली में ट्रिपल इंजन की सरकार है। पिछले कई वर्षों से नगर निगम दिल्ली में भाजपा काबिज है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार भी भाजपा की है। एलजी भी भाजपा द्वारा नियुक्त किए गए हैं। इसके पहले भी दर्जनों दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। हर बार जुमला यही रहता है हम किसी भी दोषी को बख्शेंगे नहीं, कड़ी से कड़ी सजा देंगे। कुछ दिनों तक मामला बयानों से सुर्खियों में बना रहता है। सरकारी खजाने से मुआवजा देने के बाद जैसे ही यह मामला शांत पड़ता है उसके बाद सरकार, दिल्ली नगर निगम और केंद्र सरकार सब कुंभकर्णी निद्रा में चले जाते हैं। अधिकारी, पार्षद, विधायक, मंत्री, पुलिस सब अपना अपना सुविधा शुल्क लेकर आंख बंद करके बैठे रहते हैं। किसी भी अधिकारी की कोई जिम्मेदारी निश्चित नहीं की जाती है। उसके ऊपर कोई दंडात्मक कार्यवाही नहीं होती है। जिसके कारण घटना के बाद एक दूसरे के ऊपर ठीकरा फोड़ने की प्रक्रिया शुरू होती है। जांच चलती रहती है, निष्कर्ष कभी नहीं निकलता है। दोषी, रिश्वतखोर, भ्रष्टाचारी, अधिकारी, कर्मचारी और राजनेता हमेशा बचे रहते हैं। मामला न्यायपालिका के पास जाता है। न्यायपालिका भी दोषी अधिकारियों पर कभी कोई ऐसी दंडात्मक कार्यवाही नहीं करती है जिसके कारण अधिकारियों में कोई खौफ हो। दिल्ली में ऐसे हजारों निर्माण हैं, जो अवैध रूप से किए गए हैं। यह सब सामने दिखते हैं, लेकिन रिश्वत और भ्रष्टाचार में सभी की हिस्सेदारी होती है। यह काम अनवरत चल रहा है। सरकार और अधिकारियों को मालूम है, जब कोई घटना होगी उससे हमें कैसे निपटना है। भ्रष्टाचार और रिश्वत की कमाई इतनी बड़ी है कि इसकी छत्रछाया में आकर ईमानदार से ईमानदार अधिकारी और नेता भी अपने आपको इस व्यवस्था में ढाल लेता है। सबका अपना अपना भाग्य है, जो मर गए या जिन्हें नुकसान हुआ उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होते हैं। उनका भाग्य जिम्मेदार होता है। अधिकारी और नेता कर भी क्या सकते हैं। यही कहा जा सकता है। राम मंदिर में चंदा और चढ़ावा चोरी को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने भी इसी तरह से कहा था। जांच कर रहे हैं, किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। छोटे-मोटे कर्मचारियों को जेल भेजकर अब सारे मामले में पर्दा डाला जा रहा है। यह सारा देश देख रहा है। आम लोगों के बीच अब यह चर्चा होने लगी है। भाजपा नेता और डबल इंजन की सरकारों में दावे बहुत बड़े-बड़े किए जाते हैं, लेकिन वह दावे केवल अखबारों और मीडिया की सुर्खियों के लिए होते हैं। जिसके कारण अब आम जनता में भी जगह-जगह रोष देखने को मिलने लगा है। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने नोएडा के कलेक्टर और अन्य अधिकारियों को गलत तरीके से आंदोलनकारी छात्रा को एनएसए में 5 महीने की हिरासत में रखा था, पर हाईकोर्ट ने 500000 रुपए का जुमार्ना अधिकारियों से वसूल करने का आदेश दिया है। यदि इसी तरह के आदेश न्यायपालिका की ओर से आने लगे, दोषी अधिकारियों कर्मचारियों और पद पर बैठे हुए संवैधानिक पदाधिकारी की जिम्मेदारी तय होने लगे। सरकारी खजाने से पैसा बांटने के स्थान पर यदि दोषी अधिकारियों से वसूली की जाने लगे तो इस तरह के अवैध कार्यों और अवैध निमार्णों पर रोक लग सकती है। अभी भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के कारण तथा किसी की कोई जिम्मेदारी नहीं होने से जिसकी मर्जी जो आ रहा है वह कर रहा है। जिसके कारण हर जगह अराजकता की स्थिति बनती चली जा रही है। अब तो अधिकारी अपने-अपने हिसाब से खुद नियम, कायदे-कानून बनाने लगे हैं। संवैधानिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था में इससे बड़ा मजाक और क्या हो सकता है।

कब तक बिकेगी शराब के नाम पर मौत की घुट्टी

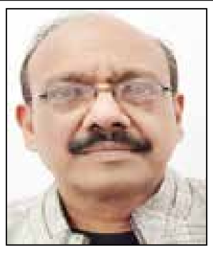

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में जहरीली शराब से होने वाली मौतें एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती बनी हुई हैं, जिसमें ड्राई स्टेट से लेकर अन्य राज्यों तक लगातार दुखद घटनाएं सामने आती रहती हैं। ताजा मामला मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली शराब कांड ने हड़कंप मचा दिया है. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक 22 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 112 से ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती हैं. मामले में मजिस्ट्रेटियल जांच के आदेश दिए गए हैं. प्रशासन ने एहतियातन इलाके की छह शराब दुकानों को सील कर दिया है. पुलिस ने 30 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है और 14 लोगों को हिरासत में लिया गया है. वहीं, मौतों के आंकड़े को लेकर सियासत भी गरमा गई है.

अभी अगस्त 2026 में गुजरात के भावनगर में भी नकली विदेशी शराब के नाम पर बेची गई जहरीली शराब पीने से 7 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती किए गए। जहरीली शराब का यह जानलेवा सिलसिला देश के विभिन्न हिस्सों में समय-समय पर देखने को मिलता है देश भर में आए दिन जहरीली और नकली शराब से होने वाली मौतें अब केवल दुर्घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि ये घटनाएं हमारी व्यवस्था, कानून लागू करने वाली एजेंसियों और समाज के सामने खड़े एक गंभीर सवाल का रूप ले चुकी हैं। हर कुछ महीनों सप्ताह के अन्तराल पर देश के किसी न किसी हिस्से से खबर आती है कि नकली शराब पीने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ी, कई अस्पताल पहुंचे और कुछ ने दम तोड़ दिया। प्रशासन सक्रिय होता है, गिरफ्तारियां होती हैं, जांच बैठती है, मुआवजे की घोषणा होती है और कुछ समय बाद मामला फिर सुर्खियों से गायब हो जाता है। फिर किसी दूसरे शहर, गांव या राज्य में वही कहानी दोहराई जाती है। सवाल यही है, आखिर यह सिलसिला कब थमेगा ?

शराबबंदी वाले राज्यों में तस्करी का सिलसिला अधिक गंभीर है, अभी समस्तीपुर बिहार में आरपीएफ और सीआईबी की संयुक्त टीम ने दिल्ली से आ रही स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के फर्स्ट क्लास एसी कोच से 75 लीटर महंगी विदेशी शराब बरामद की है। इस तस्करी के आरोप में एक युवती नेहा और उसके जीजा को गिरफ्तार किया गया है।

जिस राज्य में शराब की बिक्री और सेवन पर कानूनी प्रतिबंध है, वहां नकली शराब लोगों तक पहुंच कैसे रही है? भावनगर शराब कांड में पुलिस की शुरूआती जांच में एक लोकप्रिय ब्रांड के नाम पर डुप्लीकेट शराब बेचे जाने और इसके मध्य प्रदेश से लाए जाने की आशंका सामने आई है। पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को हिरासत में भी लिया है। लेकिन भावनगर कोई पहली घटना नहीं है। गुजरात ने जुलाई 2022 में भी भयावह शराब त्रासदी देखी थी। बोटाद और आसपास के इलाकों में जहरीली शराब से 42 लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। उस समय भी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई हुई, अधिकारियों का तबादला हुआ और अवैध शराब के नेटवर्क को तोड़ने के दावे किए गए थे। सवाल है कि चार वर्ष बाद भी यदि नकली शराब लोगों तक पहुंच रही है तो पिछली कार्रवाई से हमने आखिर सीखा क्या? यह समस्या केवल गुजरात तक सीमित नहीं है। पंजाब, बिहार, तमिलनाडु, असम, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और कई अन्य राज्य समय-समय पर ऐसी त्रासदियों के गवाह बने हैं। तमिलनाडु के कालाकुरिची में जून 2024 में मेथेनॉल मिली अवैध शराब ने दर्जनों परिवारों को उजाड़ दिया था। आधिकारिक कार्रवाई के दौरान अवैध शराब जब्त हुई, गिरफ्तारियां हुई और प्रशासनिक अधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों में भी अवैध एवं नकली शराब के सेवन से होने वाली मौतों को अलग श्रेणी में दर्ज किया जाता है। उपलब्ध एनसीआरबी आधारित डेटा 2012 से 2024 तक राज्यवार ऐसी मौतों का दस्तावेजीकरण करता है। इससे इतना तो साफ है कि यह किसी एक राज्य या एक दौर की समस्या नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही राष्ट्रीय चुनौती है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अक्सर इन घटनाओं में मरने वाले लोग समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आते हैं। सस्ती शराब की तलाश उन्हें ऐसे अवैध कारोबारियों तक पहुंचा देती है जिन्हें न गुणवत्ता की चिंता होती है, न कानून का भय और न इंसानी जीवन की कीमत का एहसास। अधिक नशा पैदा करने या लागत कम रखने के लिए शराब में मेथेनॉल जैसे जहरीले रसायनों की मिलावट जानलेवा साबित हो सकती है। कल्लाकुरिची मामले में भी मेथेनॉल मिश्रित शराब की पुष्टि सामने आई थी। अधिकरत देखा जाता है कि हर बड़ी आसदी के बाद प्रशासन की एक परिचित तस्वीर सामने आती है। छापेमारी शुरू होती है, अवैध ठिकाने बंद किए जाते हैं, संदिग्ध गिरफ्तार होते हैं और पुलिस अधिकारियों से जवाब मांगा जाता है। लेकिन असली चुनौती घटना के बाद कार्रवाई करने की नहीं, घटना होने से पहले नेटवर्क को समाप्त करने की है। अवैध शराब का कारोबार अकेले किसी गली या गांव में बैठा व्यक्ति नहीं चला सकता। कच्चा माल कहां से आता है? बोतलें कहां बनती हैं? लोकप्रिय कंपनियों के नाम और लेबल की नकल कैसे होती है? माल एक जिले से दूसरे जिले और कई बार एक राज्य से दूसरे राज्य तक कैसे पहुंचता है? परिवहन, भंडारण और बिक्री की जानकारी स्थानीय स्तर पर किसी को क्यों नहीं मिलती? यदि वर्षों तक कारोबार चलता रहता है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कहीं न कहीं प्रशासनिक लापरवाही, स्थानीय संरक्षण या भ्रष्ट तंत्र भी इसका रास्ता आसान कर रहा है। शराबबंदी वाले राज्यों के लिए यह समस्या और बड़ी चुनौती है। केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं होता। यदि वैध बिक्री बंद होने के बाद अवैध बाजार पैदा हो जाए और उसकी निगरानी कमजोर रहे तो तस्करों को अधिक मुनाफे का अवसर मिलता है। शराबबंदी का उद्देश्य समाज को नशे से बचाना है, लेकिन यदि उसी व्यवस्था के भीतर जहरीली शराब का संगठित बाजार फलने लगे तो नीति की समीक्षा और क्रियान्वयन दोनों जरूरी हो जाते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि शराबबंदी गलत है या शराब की खुली विक्री समाधान है। असली प्रश्न नीति से अधिक उसके प्रभावी क्रियान्वयन का है। जहां प्रतिबंध है वहां अवैध सप्लाई पर कठोर निगरानी होनी चाहिए और जहां शराब की कानूनी विक्री है वहां नकली उत्पादों की पहचान और वितरण व्यवस्था पर नियंत्रण मजबूत होना चाहिए। सरकारों को अब प्रत्येक त्रासदी के बाद केवल मुआवजा देने और कुछ लोगों को निलंबित करने से आगे बढ़ना होगा। अवैध शराब के मामलों में सप्लाई चेन की तह तक जांच, औद्योगिक मेथेनॉल की बिक्री और परिवहन की निगरानी, नकली ब्रांड और पैकेजिंग बनाने वालों पर कार्रवाई तथा बार-बार अवैध कारोबार में पकड़े जाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है। स्थानीय पुलिस और आबकारी अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। इसके साथ ही ग्रामीण और गरीब बस्तियों में जागरूकता बढ़ानी होगी। लोगों को बताया जाना चाहिए कि अनजान स्रोत से खरीदी गई शराब जानलेवा हो सकती है।

असली आज़ादी

बुधवार, 09 सितंबर 2026, दमण।

संक्षिप्त समाचार

फ्रांस में पहला हिंदू मंदिर: प्राण प्रतिष्ठा में 40 देशों से पहुंचे मेहमान

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की राजधानी पेरिस में रविवार को देश का पहला पारंपरिक हिंदू मंदिर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बीएपीएस अक्षरधाम संस्थान के गुरु महंतस्वामी महाराज ने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को पूरा किया। इसमें यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और एशिया से आए संतों, भक्तों और गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया। मंदिर का निर्माण प्राचीन भारतीय वास्तुकला और वैदिक शिल्पशास्त्र के आधार पर किया गया है। इसमें फ्रांसीसी आधुनिक तकनीक का भी सुंदर मेल देखने को मिलता है। 13 दिनों तक चले इस महोत्सव में 40 से अधिक देशों से लोग शामिल हुए। प्रतिष्ठा से पहले पेरिस में एक भव्य नगर यात्रा निकाली गई। यात्रा में 14 सुसज्जित रथों पर हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां सजाई गईं। पारंपरिक वेशभूषा में कलाकारों ने नृत्य प्रस्तुतियां दीं। यात्रा एफिल टावर और एकोल मिलिटेर से होते हुए प्लास द ला कॉनकॉर्ड तक पहुंची। यात्रा ने फ्रांस में भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म का नया अध्याय खोल दिया। यह मंदिर 5000 वर्गमीटर क्षेत्र में फैला है। ऊपरी तल पर पारंपरिक मंदिर और नीचे सांस्कृतिक केंद्र के रूप में हवेली बनाई गई है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि स्वामी प्रभुपाद ने भारत के सांस्कृतिक आध्यात्मिक वैभव के पुनर्जागरण का अभियान शुरू किया था। आज उसका प्रकाश यूरोप समेत पूरी दुनिया में फैल रहा है। 2024 में अबू धाबी में भी एक भव्य मंदिर का लोकार्पण हुआ था। यह निर्माण संतों की संकल्प शक्ति का प्रमाण है। उन्होंने कहा, बीएपीएस स्वामी नारायण संस्था और करोड़ों हरि भक्तों को इस अवसर पर बधाई दी गई। बीएपीएस मंदिरों से भारत के प्राचीन विचार और मानवीय मूल्य प्रसारित होते हैं। यह मंदिर फ्रांस की विविधता को समृद्ध करेगा और सांस्कृतिक संबंधों को ऊर्जा देगा। भारत और फ्रांस के संबंध नई ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। दोनों देश राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ मिलकर विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी बना रहे हैं। उन्होंने कहा, यह साझेदारी पुराने सांस्कृतिक और राजनीतिक संबंधों की मजबूत बुनियाद पर टिकी है। फ्रांस में भारतीय सैनिकों के बलिदान का इतिहास आज भी जीवित है। फ्रेंच स्कॉलर्स ने संस्कृत को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई है। रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद पर रोमा रोला की लेखनी समाजों को करीब लाई। प्रधानमंत्री ने कहा, दशकों पहले श्रील प्रभुपाद स्वामी ने फ्रांस आकर आध्यात्मिक संबंधों का नया अध्याय शुरू किया था। आज योग भी भारत और फ्रांस के लोगों के बीच जुड़ाव का एक अहम जरिया बन चुका है। यह स्वामी नारायण मंदिर मेड इन इंडिया है और बिल्ट इन फ्रांस है। इसके पत्थर भारत में तराशे गए हैं। भारत की प्राचीन प्रतिभा फ्रांस की आधुनिक इंजीनियरिंग से जुड़कर इस भव्य मंदिर ने आकार लिया है। यह मंदिर सदियों तक दोनों देशों के बीच सहयोग और संभावनाओं का प्रतीक बनेगा और सेवा प्रकल्पों का केंद्र होगा।

गाजा को लेकर इस्राइल से नाराज है यूएस?: अमेरिकी प्रतिनिधि कुशनर का बड़ा बयान- बेतुकी कार्रवाई कर रहे नेतन्याहू

कीव, एजेंसी। अमेरिकी विशेष दूत और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर ने रविवार को कहा कि इस्राइल में होने वाले नेसेट चुनाव की वजह से गाजा के हालात को लेकर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सरकार का रवैया थोड़ा तर्कहीन हो गया है। इस बीच, वॉशिंगटन हमास और इलाके के दूसरे हथियारबंद गुटों से हथियार हटाने की योजना को आगे बढ़ाने की कोशिशें जारी रखे हुए है। कुशनर ने ये बातें कीव में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहीं, जहां वे रूस-यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने की कोशिशों पर बातचीत के बाद अमेरिकी दूत स्टीव विटकोफ और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के साथ मौजूद थे। गाजा के हालात पर बात करते हुए कुशनर ने कहा कि वॉशिंगटन और इस्राइल मोटे तौर पर इस बात पर सहमत हैं कि वे क्या नतीजा चाहते हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि इस्राइल में 27 अक्टूबर को होने वाले नेसेट चुनाव से पहले घरेलू राजनीतिक वजहों से यह मामला उलझ रहा है। कुशनर ने कहा, 'हम इस्राइल में कुछ राजनीतिक मुद्दों पर काम कर रहे हैं। मुझे लगता है कि अंतिम स्थिति को लेकर हम उनसे सहमत हैं। वहां अभी-अभी एक चुनाव हुआ है। इस वजह से कुछ मामलों में उनका व्यवहार थोड़ा अतार्किक हो गया है।' उनके ये बयान तब आए हैं जब इस्राइल ने 'बोर्ड ऑफ पीस' के उस प्रस्ताव का विरोध किया है, जिसमें गाजा में हमास और दूसरे हथियारबंद गुटों के हथियार हटाने की बात कही गई है। यह एक बड़ी योजना का हिस्सा है, जिसमें उस इलाके से इस्राइल सेना की वापसी भी शामिल होगी। अमेरिका इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन इस्राइल के विरोध की वजह से यह प्रक्रिया रुकी हुई है। दरअसल, कुशनर, जो गाजा को लेकर अमेरिकी कूटनीतिक कोशिशों में शामिल रहे हैं, उन्होंने वहां के हालात के बारे में निराशाजनक बात कही। उन्होंने कहा, 'गाजा में बहुत लंबे समय से हालात ठीक नहीं रहे हैं। इसे असल में एनजीओ और आतंकवादियों ने बनाया था। यह लंबे समय से एक बहुत बुरी जगह बन गया है।' ये बातें ऐसे समय में कही गईं जब गाजा पर इस्राइल के हमले जारी हैं। युद्ध के बाद की व्यवस्थाओं, खासकर हमास के हथियारों और इस्राइली सेना की वापसी के दायरे को लेकर मतभेद बने हुए हैं। शांति योजना में हमास और अन्य सशस्त्र समूहों के हथियार हटाने की प्रक्रिया को इस्राइली सेना की वापसी से जोड़ने की कोशिश की गई है, लेकिन इस प्रस्ताव को राजनीतिक बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि इस्राइल ऐसी किसी भी व्यवस्था

होर्मुज बंद है या खुला: ट्रंप के दावे पर भी किया पलटवार

अमेरिकी जहाजों पर हमला करने के बाद क्या बोला ईरान?

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसिन रजाई ने होर्मुज जलडमरूमध्य की मौजूदा स्थिति को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को सीधे खारिज किया है। ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी से बातचीत में रजाई ने कहा कि होर्मुज पूरी तरह बंद है और ट्रंप का यह कहना कि जलडमरूमध्य खुला है, 'बहुत बड़ा झूठ' है। उनके मुताबिक जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही बेहद सीमित रह गई है। रजाई ने यह भी कहा कि अमेरिका अगर ईरान को धमकी देना या उस पर हमला करना बंद कर देता है, तो ईरान होर्मुज को खुला रखने के लिए तैयार होगा। रजाई ने कहा कि होर्मुज बंद किए जाने से पहले इस रास्ते से 100 से ज्यादा जहाज गुजरते थे। इन जहाजों के जरिये 10 करोड़ टन से ज्यादा सामान का परिवहन होता था।

अब उनके दावे के मुताबिक केवल सात से आठ जहाज ही इस क्षेत्र से गुजर रहे हैं और इनमें ईरान की जरूरी वस्तुएं ले जाने वाले जहाज शामिल हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका से जुड़े कुछ जहाज चोरी-छिपे इस क्षेत्र से गुजरने की कोशिश करते हैं, जिन्हें ईरानी बल पहचानकर निशाना बनाते हैं। रजाई के अनुसार अमेरिका पांच से छह जहाजों को इस क्षेत्र से निकालने की कोशिश करता है और इन पर हमला किया जाता है।

ईरान होर्मुज के बाहर नया प्रतिबंधित क्षेत्र क्यों बना रहा है?: रजाई ने कहा कि आने वाले दिनों में होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर एक नया प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया जाएगा। उनके मुताबिक यह क्षेत्र उस जगह से शुरू होगा, जिसे ईरान

अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी की रेखा बता रहा है और यह फारस की खाड़ी के कुछ हिस्सों तक फैलेगा। ईरान ने साफ चेतावनी दी है कि नए घोषित क्षेत्र में प्रवेश करने वाले किसी भी जहाज को प्रतिबंधों की सूची में डाल दिया जाएगा। इसका मतलब यह है कि ईरान की ओर से समुद्री आवाजाही पर लगाई जा रही पाबंदियां केवल होर्मुज जलडमरूमध्य तक सीमित नहीं रह सकती हैं।

ईरान ने अमेरिकी जहाजों को डुबोने से परहेज क्यों किया?: मोहसिन रजाई ने दावा किया कि ईरान अमेरिकी तस्करी वाले जहाजों को देख रहा है और उन्हें नष्ट भी कर रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि ईरान ने इन जहाजों को डुबाने का फैसला नहीं किया है। उनका तर्क है कि इन जहाजों में तेल होता है और उनके डूबने से क्षेत्र के पर्यावरण को नुकसान हो सकता है। रजाई के मुताबिक ईरान ने कुछ अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाने के लिए चिह्नित किया था, लेकिन कुछ स्थानों पर जानबूझकर हमला नहीं किया गया। इनमें जॉर्डन का टाइटन बेस और इरबिल में मौजूद कुछ अमेरिकी ठिकाने शामिल हैं।

अमेरिका के साथ तनाव में होर्मुज इतना अहम क्यों है?: होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के लिए बेहद महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच यहां जहाजों की आवाजाही को लेकर ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। रजाई ने कहा कि होर्मुज को खुला रखने का भविष्य सीधे तौर पर अमेरिका के सैन्य रवैये से जुड़ा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक अमेरिका ईरान को धमकी देता रहेगा या उस पर हमला करेगा, तब तक स्थिति सामान्य नहीं होगी। इस बीच नया प्रतिबंधित क्षेत्र बनाने की चेतावनी से फारस की खाड़ी में समुद्री यातायात को लेकर चिंता और बढ़ सकती है।

लेबनान और हिजबुल्ला को लेकर ईरान ने क्या कहा?: मोहसिन रजाई ने लेबनान और हिजबुल्ला के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि युद्ध को केवल जीत और हार की लगातार श्रृंखला के रूप में नहीं देखा जा सकता। उनके मुताबिक युद्ध में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं।

ईरान के नए कदम से आगे क्या बदल सकता है?: ईरान की ओर से होर्मुज के बाहर नया प्रतिबंधित क्षेत्र बनाने की घोषणा तनाव को एक नए स्तर पर ले जा सकती है। अभी रजाई के बयानों के अनुसार ईरान एक तरफ होर्मुज को अमेरिकी हमलों और धमकियों से जोड़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ उन समुद्री इलाकों में भी प्रतिबंध बढ़ाने की तैयारी कर रहा है जिन्हें वह अपने सुरक्षा हितों से जुड़ा मानता है।

चांद हमारा है': अमेरिकी झंडे के साथ शेयर की तस्वीर, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया नया दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि चंद्रमा अमेरिका का है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर चंद्रमा की एक तस्वीर पोस्ट की, जिस पर 'चंद्रमा हमारा है' लिखा था। उन्होंने तस्वीर के साथ अमेरिकी झंडा भी लगाया। चंद्रमा की तस्वीर पोस्ट करने से कुछ मिनट पहले, ट्रंप ने अमेरिकी अंतरिक्ष बल की नई काली वर्दी की एआई-जनरेटेड तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने रंगों का वर्णन 'स्पेस ग्रे, मिडनाइट ब्लैक, सिल्वर ग्रे और सैटिन ब्लैक' के रूप में किया। वर्दी में कंधे और कॉलर पर प्रतीक चिन्ह, आस्तीन पर पैच और एक बेल्ट थी।

वहीं, ट्रंप ने एक अन्य पोस्ट में न्यू मैक्सिको का नाम बदलकर ' न्यू अमेरिका' रखने का भी सुझाव दिया। उन्होंने पोस्ट किया, 'कई लोगों ने न्यू मैक्सिको का नाम बदलकर। न्यू अमेरिका रखने का सुझाव दिया। उस संभावित रूप से अविश्वसनीय राज्य के लोगों के लिए यह कितना अधिक प्रतिष्ठित और सुंदर नाम होगा। वाह, मुझे यह बहुत पसंद आया।'व्हाइट हाउस ने इस विचार का समर्थन किया। एक पोस्ट में 'मेक्सिको' को काटकर उसकी जगह 'अमेरिका' लिखा हुआ दिखाया गया था।

न्यू मेक्सिको की गवर्नर मिशेल लुजान ग्रिशम ने फॉक्स न्यूज पर जवाब देते हुए कहा कि राज्य का नाम विवाद का विषय नहीं है यह संयुक्त राज्य अमेरिका के अस्तित्व में आने से पहले से ही हमारा है।' उन्होंने कहा कि ट्रंप ईंधन की बढ़ती कीमतों जैसे मुद्दों से अमेरिकियों का ध्यान भटकाना चाहते हैं।

न्यू मेक्सिको को यह सुझाव देने से पहले एक आदेश जारी किया गया था। कुछ दिन पहले, ट्रंप ने कनाडा के साथ व्यापार विवाद के बीच लेक ओंटारियो का नाम बदलकर 'लेक अमेरिका' करने वाले दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने 27 अगस्त को ओवल ऑफिस से इस घोषणा की थी। लेक ओंटारियो कनाडा-अमेरिका सीमा पर स्थित पांच ग्रेट लेक्स में से एक है।

सुपरहीरो अंदाज में दिखे डोनाल्ड ट्रंप: सीमा पर दीवार लगाकर रोके अवैध अप्रवासी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राजनीति में अब सुपरहीरो का तड़का भी लग गया है। व्हाइट हाउस ने सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर ग्रीन लैंटर्न थीम पर एक एआई वीडियो जारी किया है। वीडियो में ट्रंप को हरे रंग की रोशनी और सुपरहीरो जैसी ताकत के साथ दिखाया गया है, जो ग्रीन लैंटर्न के मशहूर पावर रिंग से प्रेरित है। व्हाइट हाउस के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर वीडियो साझा किया। इसके साथ ही लिखा, 'तेज धूप में हो या अंधेरी रात में, कोई बुराई मेरी नजर से नहीं बच पाएगी। जो लोग बुराई की ताकत की पूजा करते हैं, वे मेरी शक्ति से सावधान रहें। ग्रीन लैंटर्न की रोशनी!'

वीडियो में क्या नजर आ रहा है? : वीडियो में ट्रंप एक चमकती अंगूठी उठाते और एक चमकदार हरी सीमा दीवार बनाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो प्रशासन की आव्रजन नीतियों का संकेत है। इसके बाद वे अपनी शक्तियों का उपयोग अमेरिकी विनिर्माण और सैन्य प्रयासों को बढ़ाने के लिए करते हैं।

बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 31 अगस्त को एक वीडियो साझा किया था। इसमें वे खर्ग आईलैंड पर जोरदार धमाकों होते नजर आ रहे थे। वीडियो साझा करते हुए ट्रंप ने दावा किया कि द्वीप को 'टुकड़े-टुकड़े' किया जा रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि 'खर्ग आईलैंड के टुकड़े-टुकड़े किए जा रहे हैं।' हालांकि, उन्होंने इसके अलावा हमले को लेकर कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। ट्रंप के पोस्ट में दिखाई गई तस्वीरों में खर्ग आईलैंड पर बड़े धमाके होते नजर आ रहे हैं। खार्ग द्वीप ईरान का एक प्रमुख ऊर्जा केंद्र है, जो 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल के हमलों के साथ युद्ध शुरू होने से पहले देश के लगभग 90% तेल निर्यात का संचालन करता था। द्वीप को कोई भी महत्वपूर्ण क्षति ईरान के तेल व्यापार को बाधित कर सकती है और उसकी अर्थव्यवस्था पर और दबाव डाल सकती है।

दुनिया के नक्शे पर भारत के वोट से क्यों तिलमिलाया पाकिस्तान?:

कश्मीर पर फिर अलापा पुराना राग

इस्लामाबाद, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में दुनिया के नक्शे को लेकर आए एक प्रस्ताव पर भारत के समर्थन के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच बयानबाजी फिर तेज हो गई है। भारत ने 4 सितंबर को अपनाए गए प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया था। इसके बाद विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि इस वोट का मकसद केवल दुनिया के नक्शों में महाद्वीपों के आकार को ज्यादा सही तरीके से दिखाने के सिद्धांत का समर्थन करना था। भारत ने यह भी साफ किया कि प्रस्ताव का जम्मू-कश्मीर, लद्दाख या किसी अंतरराष्ट्रीय सीमा के राजनीतिक दर्जे से कोई लेना-देना नहीं है। इसके बावजूद अगले ही दिन पाकिस्तान ने भारत के रुख को निशाना बनाया और जम्मू-कश्मीर पर अपने पुराने दावे दोहरा दिए।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 4 सितंबर को दुनिया के नक्शे में महाद्वीपों के आकार को ज्यादा सही तरीके से दिखाने से जुड़ा प्रस्ताव अपनाया। इसका उद्देश्य ऐसे नक्शों के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है, जिनमें अलग-अलग महाद्वीपों का क्षेत्रफल वास्तविक आकार के अनुपात में ज्यादा सही नजर आए। भारत ने इस

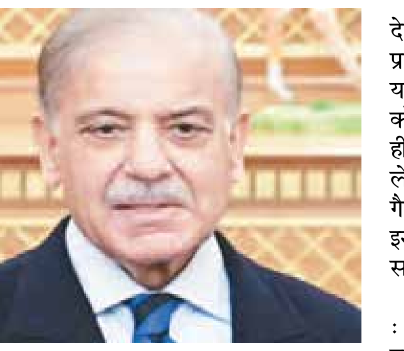

प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने अपने वोट की व्याख्या में समान क्षेत्रफल वाले नक्शों के सिद्धांत को समर्थन देने की बात रखी। यानी भारत का वोट किसी राजनीतिक सीमा या विवादित क्षेत्र के समर्थन में नहीं था।

भारत ने जम्मू-कश्मीर पर क्या साफ किया? : भारत ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का प्रस्ताव किसी खास विश्व नक्शे को मंजूरी नहीं देता। न ही यह किसी खास नक्शा बनाने की पद्धति या राष्ट्रीय सीमाओं के चित्रण को मान्यता देता है। विदेश मंत्रालय ने साफ किया कि प्रस्ताव में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं, विवादित क्षेत्रों या स्थानों के नाम से जुड़े राजनीतिक नक्शों पर कोई फैसला नहीं किया गया है। भारत ने साथ ही अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को लेकर रुख को स्पष्ट, लगातार एक जैसा और गैर-परक्राम्य बताया। ऐसे में भारत के अनुसार इस प्रस्ताव को जम्मू-कश्मीर के दर्जे से जोड़ना सही नहीं है।

पाकिस्तान ने भारत के बयान पर क्या कहा? : भारत के स्पष्टीकरण के एक दिन बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सज्जाद हैदर खान ने भारत के दावे को खारिज कर दिया। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर की स्थिति को लेकर भारत के रुख को बेबुनियाद बताया। उसने कहा कि भारत की कथित एकतरफा कार्रवाई और जम्मू-कश्मीर पर उसका नियंत्रण क्षेत्र की स्थिति को नहीं बदल सकता। पाकिस्तान ने एक बार फिर जम्मू-कश्मीर को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एजेंडे में लंबे समय से लंबित विवाद बताया और इस मुद्दे पर अपने पुराने रुख को दोहराया।

अमेरिका को समझ आ रहा: बच्चों की परवरिश माता-पिता ही बेहतर करेंगे, डे-केयर से दूरी बनाने के लिए बनी खास योजना

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सरकार एक ऐसी योजना पर काम कर रही है, जिसमें छोटे बच्चों को पालने के लिए नौकरी छोड़कर घर पर रहने वाले माता-पिता में से किसी एक अभिभावक को वित्तीय मदद दी जाएगी। दरअसल, अमेरिका अब पारंपरिक पारिवारिक मूल्यों की ओर लौट रहा है जिसमें माना जाता है कि छोटे बच्चों की देखभाल डे-केयर के बजाय माता-पिता की निगरानी में होनी चाहिए।

ट्रंप प्रशासन ने इस संबंध में बाकायदा योजना का मसौदा भी तैयार कर लिया है। यह योजना मुख्यतः उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पहल का नतीजा है, जो लंबे समय से इसकी वकालत करते रहे हैं कि छोटे बच्चों को डे-केयर के मुकाबले घरेलू माहौल मिलना चाहिए, जो उनके शारीरिक व मानसिक विकास के लिए बेहद जरूरी होता है। मसौदे के मुताबिक, प्रस्तावित योजना का लाभ केवल उन विवाहित जोड़ों पर लागू होगा जिनमें एक जीवनसाथी काम करता है और दूसरा घर पर बच्चों

की देखभाल करता है। अविवाहित जोड़े या एकल अभिभावक इसके दायरे से बाहर रहेंगे। योजना को लागू करने के लिए चाइल्ड केयर एंड डेवलपमेंट फंड (सीसीडीएफ) के पैसे का उपयोग किया जाएगा। रूढ़िवादी विचारकों और हेरिटेज फाउंडेशन जैसे संगठनों ने इस कदम का समर्थन किया है। उनका मानना है कि यह नियम व्यावसायिक डे-केयर और घर पर बच्चों की परवरिश करने वाले माता-पिता के बीच भेदभाव को खत्म करेगा। व्हाइट हाउस और उपराष्ट्रपति कार्यालय की ओर से इस पर अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन नियम को अंतिम रूप दिए जाने से पहले इसे जनता की प्रतिक्रिया के लिए ऑनलाइन जारी किया जाएगा।चाइल्ड केयर सब्सिडी फंड से उन कामकाजी माता-पिता या पढ़ाई/ट्रेनिंग कर रहे अभिभावकों को सब्सिडी मिलती है, जिनकी पारिवारिक आय उनके राज्य की औसत आय के 85% से कम हो।

यह मदद 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए मिलती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सीसीएस फंड से मदद पाने वाले परिवारों में करीब 80% परिवार एकल कामकाजी माता-पिता हैं, जिनमें सबसे ज्यादा संख्या अकेली मांओं की है।ट्रंप प्रशासन को इस बदलाव के लिए कांग्रेस की मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी और इसे अगले वर्ष तक लागू किया सकता है।

यमन में फिर भड़की जंग: हूतियों और सेना में भीषण लड़ाई, चार दिन में 117 लोगों की हुई मौत

एडेन, एजेंसी। पश्चिमी प्रांतों ताइज और होदेइदाह में यमनी सरकारी सेना और हूती समूह के बीच चार दिनों से भीषण झड़प चल रही है। इसमें अबतक कम से कम 117 लोग मारे गए हैं। यह जानकारी मेडिकल अधिकारियों ने दी। पश्चिमी तट के मोर्चे पर सरकारी सेना के साथ मौजूद एक वरिष्ठ मेडिकल अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर शिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया कि गुरुवार को लड़ाई शुरू होने के बाद से सरकारी सेना के 54 सैनिक मारे गए हैं। कई अन्य घायल हुए हैं।

वहीं, पश्चिमी होदेइदाह प्रांत में हूती -नियंत्रित अस्पतालों के दो मेडिकल सूत्रों ने बताया कि इसी दौरान हूती समूह के 63 सदस्य मारे गए, जिससे दोनों पक्षों की कुल मरने वालों की संख्या 117 हो गई।

यमनी सरकार के लड़ाकू विमानों ने शुक्रवार को होदेइदाह और ताइज के पश्चिमी प्रांतों में हूती -नियंत्रित इलाकों पर हमले किए। ये हमले रणनीतिक बाब अल-मंदाब जलडमरूमध्य के पास हूती समूह के बड़े हमले का सामना कर रही जमीनी सेना की मदद के लिए किए गए थे।अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि ये हवाई हमले ऐसे समय में किए गए जब दोनों प्रांतों में कई मोर्चों पर जबरदस्त लड़ाई चल रही थी। हूती लड़ाकों ने पिछले 24 घंटों में तेजी से आगे बढ़ते हुए कई इलाकों पर कब्जा कर लिया था।अधिकारी ने कहा कि लड़ाकू विमानों ने उन इलाकों में हूती ठिकानों और गतिविधियों को निशाना बनाया जहां जमीनी लड़ाई चल रही थी। हमलों या हताहतों के बारे में और जानकारी तुरंत उपलब्ध नहीं हो सकी।

सरकार के एक सैन्य अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर शिन्हुआ को बताया कि हूती सदस्यों द्वारा कब्जा किए जाने के कुछ ही घंटों बाद, सरकारी सेना ने रात भर चले एक तेज जवाबी हमले में पश्चिमी ताइज में कई महत्वपूर्ण ठिकानों को वापस अपने कब्जे में ले लिया।हालिया तनाव पश्चिमी यमन में पिछले कुछ वर्षों की सबसे भीषण जमीनी लड़ाइयों में से एक है। इससे देश के कई मोर्चों पर वर्षों की सापेक्ष शांति के बाद बड़े पैमाने पर लड़ाई फिर से शुरू होने की चिंता बढ़ गई है।यमन 2014 के अंत से ही संघर्ष में फंसा हुआ है, जब हूती समूह ने सना और उत्तरी यमन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार के समर्थन में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने अगले साल हस्तक्षेप किया था।

नेपाल जलप्रलय के 12 दिन: पानी हुआ जहरीला, संपर्क में आते ही त्वचा पर इंफेक्शन; आंसुओं के बीच नुकसान के आंकड़े

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल आपदा के बाद भारत में आया सैलाब अब दिन-ब-दिन जहरीला होता जा रहा है। इसके संपर्क में आते ही लोगों के पूरे शरीर में इंफेक्शन फैल जाता है। लोग खुजली से परेशान हैं। यह परेशानी तब और बढ़ रही है जब संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे में पहुंच रहा है। ऐसे में इसकी चेन को ब्रेक करना बेहद मुश्किल हो रहा है। सबसे पहले इसकी चपेट में वे बुजुर्ग आए जो आपदा के बाद खेतों में काम करने गए। अब उनसे यह संक्रमण घर के दूसरे लोगों में पहुंच रहा है। शरीर में अलग-अलग जगहों पर निशान पड़ रहे है। इसकी जद में कुशीनगर और महाराजगंज के कई गांव हैं।

महाराजगंज जिला अस्पताल के वरिष्ठ त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. एके द्विवेदी

ने कहा कि पानी में ई. कोलाई और अन्य फीकल बैक्टीरिया पनपने की अधिक संभावना है। जब कोई व्यक्ति ऐसे पानी के संपर्क में आता है तो बैक्टीरिया सबसे पहले त्वचा की ऊपरी परत को कमजोर कर देता है। कुशीनगर जिले के पीपरीघाट निवासी रामायण सिंह ने बताया कि खेत में काम करने के दौरान उनके पैर नेपाल से आए दूषित पानी के संपर्क में आ गए थे। इसके तुरंत बाद खुजली शुरू हो गई। सेवरही की रंभा देवी की बेटी के शरीर पर दाने हो गए हैं। आपदा के 12वें दिन चीन ने पहली बार कुछ विदेशी मीडिया संस्थानों को गिरयोंग काउंटी जाने की अनुमति दी। अब चीन के सीमावर्ती इलाके में तबाही की असली तस्वीर सामने आई। यह आव्रजन चौकी बुरी तरह तबाह हो चुकी है। यहां तक कि यह पता लगाना भी मुश्किल है कि इसका ढांचा कहां पर खड़ा था।

नेपाल में अचानक बाढ़ से मची तबाही के 12 दिन बीतने बाद भी प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति विकट बनी हुई है। राहत एवं बचाव कार्य बदस्तूर जारी है। मलबे को हटाने, सड़कों को दुरुस्त करने और संचार व्यवस्था को पटरी पर लाने के प्रयास युद्धस्तर पर जारी हैं। नेपाली सेना और इंजीनियरों की टीम अस्थायी पुल बनाने और प्रभावित लोगों तक आवश्यक सामग्री पहुंचाने में जुटी है। अपेक्षाकृत कम प्रभावित क्षेत्रों में कुछ लोग घरों की ओर लौटे हैं और अपनों को खोने के दर्द के बीच जिंदगी को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश में जुटे हैं। अपने टूटे-फूटे घरों को फिर से ठीक करके रहने लायक बना रहे हैं। एक बड़ा इलाका ऐसा है जहां मलबे के ढेर के अलावा कुछ नहीं बचा है। लोग इसमें अपना बचा-खुचा सामान तलाश रहे हैं। उनका कहना है कि समझ ही नहीं आ रहा कि जिंदगी फिर कहां से शुरू करें।

खुद बचे, अब राहत अभियान में जुटे

सुदीप कुमार न्यौपाने (31) विनाशकारी बाढ़ में बाल-बाल बच गए थे, लेकिन उनके छोटे भाई और एक करीबी सहयोगी लापता हैं। न्यौपाने अब राहत कार्यों में शामिल हो गए और रसुवा में विस्थापित लोगों के बीच भोजन तथा अन्य जरूरी सहायता सामग्री के वितरण में मदद कर रहे हैं।

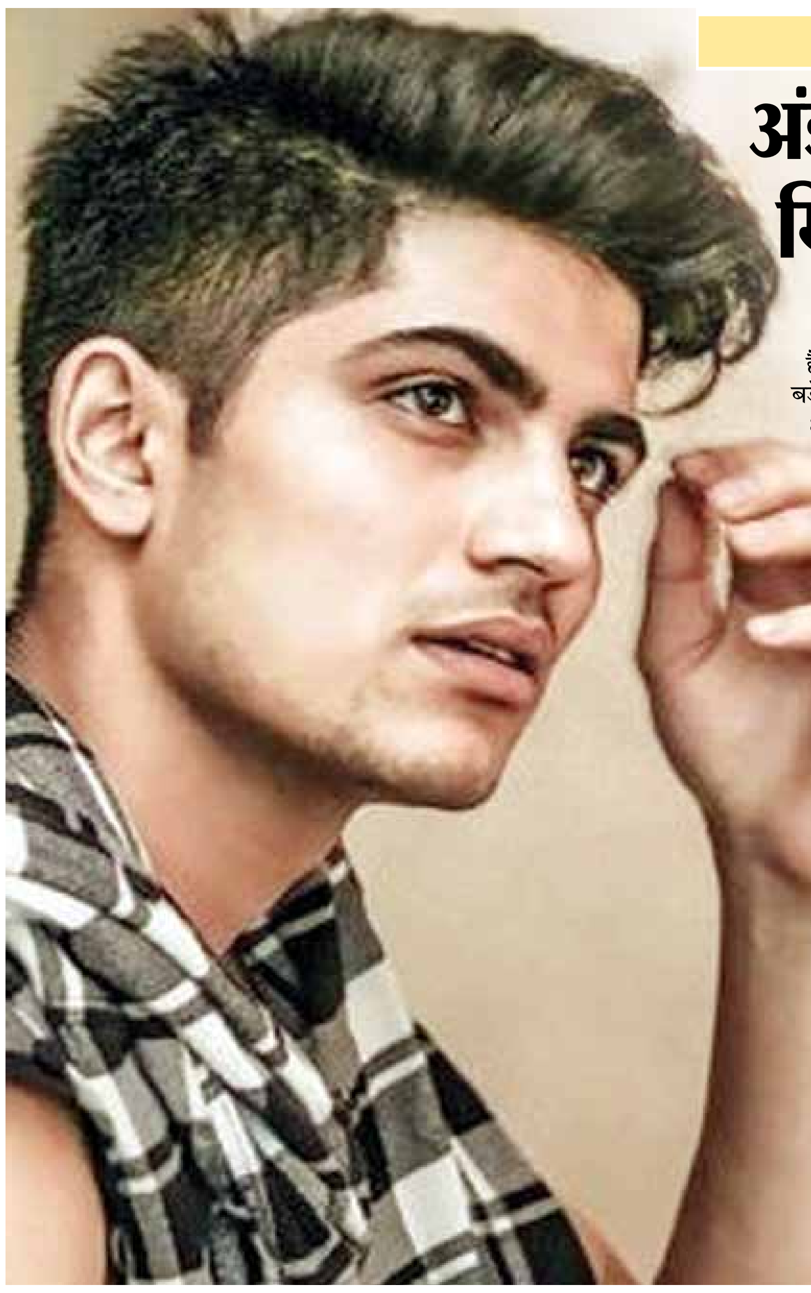

जन्मदिनः 27 के हो गए शुभमन गिल

अंडर-19 विश्व कप से बनाई पहचान, कम उम्र में मिली कप्तानी, बने भारतीय क्रिकेट का सितारा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के प्रमुख बल्लेबाजों में शुमार शुभमन गिल शानदार तकनीक, बेहतरीन टाइमिंग और धैर्य उनकी बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाते हैं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई यादगार पारियां खेली हैं। गिल की निरंतरता और बड़े मंच पर प्रदर्शन करने की क्षमता ने उन्हें भारतीय क्रिकेट का महत्वपूर्ण सितारा बनाया है। 8 सितंबर 1999 को फाजिल्का (पंजाब) में जन्मे गिल को बचपन से ही क्रिकेट का शौक था। वह अक्सर अपनी उम्र से बड़े खिलाड़ियों के साथ खेला करते थे।

कैसा रहा गिल का शुरुआती सफर?

साल 2014 में उन्होंने पंजाब के अंतर-जिला अंडर-16 टूर्नामेंट में 351 रन बनाए और निर्मल सिंह के साथ 587 रनों की रिकॉर्ड ओपनिंग साझेदारी करते हुए सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उन्होंने विजय मर्चेंट ट्रॉफी के दौरान अंडर-16 स्टेट डेब्यू में नाबाद दोहरा शतक लगाया। गिल ने साल 2017 के आखिर में रणजी ट्रॉफी में पंजाब के लिए अपना प्रथम श्रेणी डेब्यू करते हुए पहले ही मैच में अर्धशतक लगाया। अगले मैच में उनके बल्ले से 129 रन निकले। शानदार प्रदर्शन की बदौलत अगले ही साल उन्हें अंडर-19 विश्व कप 2018 के लिए टीम का उपकप्तान चुना गया। अंडर-19 विश्व कप 2018 में गिल छह मुकाबलों की पांच पारियों में 124 की औसत के साथ 372 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए थे। उन्होंने सेमीफाइनल मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 94 गेंदों में सात चौकों के साथ 102 रन की नाबाद पारी खेली थी।

दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा

दाएं हाथ के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज शुभमन गिल टीम को तेज शुरुआत दिलाने के लिए मशहूर हुए। उन्हें आईपीएल 2018 के लिए नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 1.8 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा था। पहले ही सीजन गिल ने 13 मुकाबलों में 33.83 की औसत के साथ 203 रन बनाए। गिल को साल 2019 में वनडे डेब्यू का मौका मिला, जिसके बाद दिसंबर 2020 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 45 और 35 रन बनाए। इसी सीरीज के दौरान उन्होंने सिडनी में अर्धशतक लगाने के बाद गाबा में भारत की रोमांचक जीत में 91 रन की शानदार पारी खेली थी। महज 23 साल की उम्र में गिल वनडे प्रारूप में दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने, जिन्होंने न्यूजीलैंड के विरुद्ध 149 गेंदों में 208 रन की पारी खेली।

पहले टेस्ट और फिर वनडे टीम की मिली कमान

आईपीएल 2022 में गुजरात टाइटंस ने इस खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ा। हार्दिक पांड्या के जाने के बाद गिल को फ्रेंचाइजी का कप्तान नियुक्त किया गया। इसके बाद रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से रिटायर होने के बाद उन्हें साल 2025 के इंग्लैंड दौरे के लिए भारत का कप्तान नियुक्त किया गया। पिछले साल अक्तूबर में ही उन्हें टीम इंडिया की वनडे कमान भी सौंपी गई। शुभमन गिल भारत के लिए 43 टेस्ट मुकाबलों में 43.47 की औसत के साथ 3,043 रन बना चुके हैं। इसमें 11 शतक और नौ अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, 67 वनडे मुकाबलों में उन्होंने नौ शतक और 20 अर्धशतक के साथ 3,379 रन बना चुके हैं। वहीं, 36 टी20 मुकाबलों में उनके बल्ले से 869 रन निकले हैं, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

अगले साल होगी बड़ी परीक्षा

गिल के सामने 2027 में बड़ी परीक्षा है। अगले साल वनडे विश्व कप का आयोजन होना है। भारत पिछली बार रोहित शर्मा की कप्तानी में खिताब अपने नाम करने से चूक गया था। भारत अगर गिल की कप्तानी में उतरता है और खिताब अपने नाम करने में सफल रहता है तो गिल तीसरे भारतीय कप्तान बन जाएंगे जिन्होंने भारत को वनडे विश्व कप का खिताब दिलाया है। अब तक सिर्फ कपिल देव (1983) और महेंद्र सिंह धोनी (2011) ही ऐसा कर चुके हैं।

पाकिस्तानी कप्तान पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा को महिला एशिया कप के ग्रुप मैच के दौरान आउट करने के बाद 'अपमानजनक इशारा' करने के लिए पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को यह जानकारी दी।

यह घटना शनिवार (5 सितंबर) को भारत की पारी के दूसरे ओवर में हुई जब शैफाली वर्मा को आउट करने के बाद फातिमा ने पवेलियन की ओर इशारा किया। फातिमा को आईसीसी की खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी स्टाफ से जुड़ी आचार संहिता के लेवल एक के नियम 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया।

फातिमा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जुड़ा

यह नियम अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी बल्लेबाज के आउट होने पर ऐसी भाषा, हरकत या इशारे करने से संबंधित है जो बल्लेबाज का अपमान करते हों या उसे आक्रामक प्रतिक्रिया के लिए उकसा सकते हों। इसके अलावा फातिमा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक और जोड़ा गया है क्योंकि 24 महीने की अवधि में यह उनकी दूसरी गलती है।

फातिमा के दो डिमेरिट अंक हुए- इसके साथ ही एक साल के भीतर उनके डिमेरिट अंकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है।

फातिमा को इससे पहले छह अगस्त 2025 को डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के पहले मैच के दौरान एक डिमेरिट अंक मिला था। फातिमा ने अपनी गलती स्वीकार कर ली। मैच रैफरी सुप्रिया रानी दास द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया इसलिए औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

क्या मिलती है सजा

मैदानी अंपायर निमाली परेरा और शथिरा जाकिर जेसी, तीसरी अंपायर रोकैया सुल्ताना और चौथे अंपायर रबाब अहसन ने उनके खिलाफ आरोप लगाया था। लेवल-एक के उल्लंघन के लिए न्यूनतम सजा आधिकारिक फटकार है जबकि अधिकतम सजा खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और एक या दो डिमेरिट अंक है।

सात्विक-चिराग का आत्मविश्वास बढ़ा, अब एशियन गेम्स पर नजर

नई दिल्ली। चीन मास्टर्स जीतने के बाद, भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी एशियन गेम्स से पहले मिले 10 दिनों के समय का पूरा फायदा उठाने पर ध्यान दे रहे हैं। मौजूदा चैंपियन होने के नाते इस बड़े टूर्नामेंट में उतरने के बावजूद, इस जोड़ी का कहना है कि उन पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं है। वर्ल्ड नंबर 5 भारतीय जोड़ी ने रविवार को चीन मास्टर्स के फाइनल में चीन के हे और रेन को 70 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 11-21, 21-13, 21-17 से हराया। यह जीत सात्विक और चिराग के लिए इसलिए भी खास थी, क्योंकि वे 2023 और 2025 में चीन मास्टर्स में दूसरे स्थान पर रहे थे और 2024 में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। वे 2005 में शुरू हुए इस इवेंट को जीतने वाली पहली भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी बन गए। चाइना मास्टर्स में यह जीत उनके करियर का 10वां बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल था और 2026 का तीसरा वर्ल्ड टूर फाइनल था। वे मई में थाईलैंड ओपन में रनर-अप रहे थे और उसी महीने के आखिर में सिंगापुर ओपन का टाइटल जीता था। चाइना मास्टर्स में उनके सफर ने उन्हें उन कुछ कमियों को दूर करने में भी मदद की जो पिछले महीने नई दिल्ली में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल से बाहर होने के दौरान सामने आई थीं। अपनी जीत पर बात करते हुए, इस जोड़ी ने कहा कि इस खिताब ने उन्हें एशियाई खेलों से पहले सही समय पर आत्मविश्वास दिया है। चिराग ने कहा, 'वर्ल्ड चैंपियनशिप के बाद हम काफी बेहतर हुए हैं। हमें समय मिला और हमने खुद को उसके हिसाब से ढाला। वर्ल्ड चैंपियनशिप में हमारे लिए मुश्किल थी, क्योंकि हमारे पास ज्यादा समय नहीं था। एक मैच, और फिर हमने तुरंत

क्वार्टरफाइनल खेला। इसलिए मुझे लगता है कि वर्ल्ड चैंपियनशिप के बाद, हमारा शरीर एक तरह से स्थिर हो गया, उसकी आदत हो गई, और फिर हम बेहतर हुए। फिर चाइना मास्टर्स में हमें यह भी निश्चित तौर पर पता नहीं था कि पूरे हफ्ते हम शारीरिक रूप से कितना झेल पाएंगे। इसलिए हम एक बार में एक ही मैच पर ध्यान दे रहे थे। कुल मिलाकर, पूरे हफ्ते सब कुछ काफी सहज रहा। तो आगे के लिए यह एक अच्छा संकेत है।'

चिराग ने आगे कहा कि चीन में कई मैच खेलने के अनुभव से उन्हें अपनी शारीरिक स्थिति को लेकर और अधिक आत्मविश्वास मिला। उन्होंने कहा, 'वर्ल्ड चैंपियनशिप में हमें कोर्ट पर ज्यादा समय नहीं मिला। खासकर चीन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल जैसे मुश्किल मैच से पहले। हम लगभग तीन महीनों बाद कोई टूर्नामेंट खेल रहे थे। जो पहला टूर्नामेंट हमने खेला, उसमें हमारा खेल बहुत अच्छा नहीं था। जाहिर है, मुझे लगता है कि हमारा शरीर भी उस हिसाब से ढल नहीं पाया था, जबकि यहां चाइना ओपन में हमने पांच मैच खेले, और पहले राउंड को छोड़कर बाकी सभी में हमने तीन-तीन गेम खेले। फिर भी, वर्ल्ड चैंपियनशिप के मुकाबले अब हमारा शरीर कहीं बेहतर महसूस कर रहा है। चाइना मास्टर्स से पहले हमें प्रैक्टिस के लिए एक हफ्ता और मिला। इससे हमें चाइना मास्टर्स में अच्छा प्रदर्शन करने में वाकई मदद मिली।'

जूनियर हॉकी एशिया कप

भारत ने दक्षिण कोरिया को 7-3 से रौंदा, सेमीफाइनल के करीब टीम इंडिया

मोकी, एजेंसी। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने मंगलवार को दक्षिण कोरिया को 7-3 से हरा दिया। इस जीत के साथ एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 के पूल ए में शीर्ष भारतीय टीम में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। मैच की बात करें तो ज्यादातर समय मुकाबला बराबरी पर रहा। शुरुआती तीन क्वार्टर में मैच काफी रोमांचक रहा, कोई भी टीम एक इंच भी पीछे हटने को तैयार नहीं थी। इंडिया ने अच्छी शुरुआत की और पांचवें मिनट में अनमोल ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बढ़त बना ली। दक्षिण कोरिया के लिए अगले ही मिनट में डोह्योन चोई ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में भी यही पैटर्न रहा। लवनूर सिंह ने 18वें मिनट में फील्ड गोल करके इंडिया को आगे कर दिया, लेकिन दक्षिण कोरिया ने ह्योगुक यू की मदद से अगले 60 सेकंड में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया। हालांकि, इंडिया ने यह पक्का किया कि वे हाफ-टाइम तक इस बढ़त को बनाए रखें। अजीत यादव ने 20वें मिनट में गोल करके इंडिया की एक गोल की बढ़त वापस ला दी और ब्रेक तक उन्हें 3-2 की बढ़त दिला दी।

दक्षिण कोरिया ने दोबारा मैच शुरू होने के बाद भी हार नहीं मानी और इंडियन डिफेंस को लगातार परखता रहा। यू एक बार फिर उनके अटैकिंग खेल का सेंटर थे, उन्होंने तीसरे क्वार्टर के सिर्फ छह मिनट में मैच का अपना दूसरा गोल किया, जिससे कोरियाई टीम तीसरी बार 3-3 से बराबर हो गई।

जब मैच आखिरी क्वार्टर में बराबरी की ओर बढ़ रहा था, तो प्रभदीप सिंह ने तीसरे क्वार्टर के आखिर में ब्रेकथ्रू पाया और 42वें मिनट में इंडिया की लीड 4-3 कर दी। चौथे क्वार्टर के शुरुआती दौर में दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर अटैक करना जारी रखा, लेकिन इंडिया ने आखिरकार सिर्फ तीन मिनट के अंदर तीन गोल करके मैच का रुख पलट दिया।

गुरसेवक सिंह ने 55वें मिनट में भारत को बढ़त दिलाई। इसके एक मिनट बाद अनमोल ने पेनल्टी कॉर्नर पर फिर से गोल करके स्कोर 6-3 कर दिया। इसके बाद आर्यन जेस ने 58वें मिनट में निर्णायक गोल को 7-3 से भारत की जीत पर मुहर लगाई। कप्तान और स्टार ड्रैगफ्लिकर अनमोल एक्का ने 2 गोल किए। टूर्नामेंट में उनके गोलों की संख्या आठ हो गई।

यूएस ओपन-2026

ज्वेरेव-बोटिक और गॉफ-रायबाकिना क्वार्टर फाइनल में

न्यूयॉर्क, , एजेंसी। *यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव और नीदरलैंड के बोटिक वैन डे जैंडशुल्प ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने इटली के लुसियानो डार्डेरी को सीधे सेटों में हराया, जबकि बोटिक ने दो सेट पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए आर्थर गेआ को मात दी। अब दोनों के बीच अंतिम आठ में मुकाबला होगा।ज्वेरेव ने 21वीं वरीयता प्राप्त डार्डेरी को 6-2, 6-2, 7-6(3) से हराया। जर्मन खिलाड़ी ने अपनी सर्व और दमदार बेसलाइन हिटिंग के दम पर लगातार दबाव बनाए रखा। डार्डेरी ने तीसरे सेट में अपनी पहली सर्विस और ड्रॉप शॉट के जरिए मुकाबले में वापसी की कोशिश की, लेकिन ज्वेरेव ने अहम मौकों पर धैर्य बनाए रखा और तीसरा सेट टाईब्रेक में जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।इस जीत के साथ ज्वेरेव 2026 में सभी चार ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले इकलौते खिलाड़ी बन गए हैं।*

दो सेट हारने के बाद बोटिक की ऐतिहासिक वापसी

दूसरी ओर, बोटिक वैन डे जैंडशुल्प ने आर्थर गेआ के खिलाफ पांच सेट के मुकाबले में शानदार वापसी की। 87वीं रैंकिंग वाले गेआ ने शुरुआती दोनों सेट 6-3, 7-6(0) से जीतकर मुकाबले पर मजबूत पकड़ बना ली थी। इसके बाद बोटिक ने लगातार तीन सेट जीतकर मैच का रुख पलट दिया। बोटिक ने तीसरा सेट 7-6(7) से जीता। इस सेट के टाईब्रेक में गेआ मैच पॉइंट तक पहुंच गए थे, लेकिन अहम मौके पर उनकी फोरहैंड वॉली और एक अन्य वॉली में गलती हुई, जिसका फायदा बोटिक ने उठाया।चौथे सेट में भी गेआ मैच के लिए सर्व करने की स्थिति में पहुंचे, लेकिन वह मुकाबला खत्म नहीं कर सके। बोटिक ने टाईब्रेक 7-6(6) से जीतकर मैच को निर्णायक सेट में पहुंचाया। पांचवें सेट में उन्होंने 6-4 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला 5 घंटे 13 मिनट चला और यूएस ओपन इतिहास का चौथा सबसे लंबा पुरुष एकल मुकाबला रहा। 30 वर्षीय बोटिक ने 2021 के बाद एक बार फिर न्यूयॉर्क में अंतिम आठ में जगह बनाई है।

कोको गॉफ ने इवा जोविक का सफर रोका, अगले दौर में पहुंची

महिला एकल में 2023 की चैंपियन कोको गॉफ ने 18 वर्षीय इवा जोविक को 6-1, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। जोविक पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के चौथे दौर तक पहुंची थीं, लेकिन गॉफ के खिलाफ उनका सफर खत्म हो गया। शुरुआत में मुकाबला कुछ हद तक बराबरी का रहा, लेकिन लय हासिल करने के बाद गॉफ ने नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया। उन्होंने पहले सेट में जोविक की दो बार सर्विस तोड़ी और सेट 6-1 से जीत लिया।दूसरे सेट में जोविक ने बेहतर खेल दिखाया और गॉफ पर दबाव बनाने की कोशिश की। हालांकि, अहम मौकों पर गलतियों के कारण वह अपनी सर्विस गंवा बैठीं और गॉफ ने 6-4 से सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। जोविक ने मैच में सिर्फ नौ विनर्स लगाए, जबकि उनके नाम 30 अनफोर्स्ड एरर्स रहे। क्वार्टर फाइनल में गॉफ का सामना मिरा एंड्रीवा से होगा।

रायबाकिना ने ओसाका को हराया

इससे पहले एलेना रायबाकिना ने पूर्व चैंपियन नाओमी ओसाका को 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। रायबाकिना ने पहला सेट सिर्फ 22 मिनट में जीत लिया और पूरे मुकाबले में अपनी दमदार बेसलाइन हिटिंग से ओसाका पर दबाव बनाए रखा। 13वीं वरीयता प्राप्त ओसाका ने दूसरे सेट में आक्रामक शुरुआत की और अपनी सर्विस बचाती रहीं, लेकिन सातवें गेम में रायबाकिना ने अहम ब्रेक हासिल कर लिया। ओसाका को मैच के दौरान बाएं पैर में भी परेशानी हुई। इसके बावजूद उन्होंने मुकाबले में बने रहने की कोशिश की, लेकिन रायबाकिना ने 6-4 से दूसरा सेट जीतकर 66 मिनट में मैच खत्म कर दिया। इस हार के साथ 2018 और 2020 की यूएस ओपन चैंपियन ओसाका का तीसरी बार खिताब जीतने का सपना टूट गया। रायबाकिना अब क्वार्टर फाइनल में ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन से भिड़ेंगी।

मेधा शंकर इंडियाज गॉट लेटेंट के पैनल में शामिल हुईं

विक्रांत मैसी के साथ '12वीं फेल' से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली एक्ट्रेस मेधा शंकर एक बार फिर से समय रैना की वजह से चर्चा में हैं। मेधा समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में पहुंचीं। हाल ही में वो इस शो में पैनलिस्ट की लाइन में नजर आईं, जहां वरुण धवन भी इस पैनल का हिस्सा थे। मेधा को देखते ही सोशल मीडिया पर पुरानी चर्चा फिर से चेज हो गई। बता दें कि पिछले कुछ समय से मेधा शंकर और समय रैना के रिश्ते की काफी चर्चा है। दोनों कई मौकों पर साथ भी दिखे हैं। हाल ही में दोनों एक ही फ्लाइट में सफर करते भी दिखे थे। हालांकि, दोनों में से किसी ने अब तक इस रिश्ते को लेकर कुछ भी नहीं कहा है। पिछले कुछ दिनों में इंडियाज गॉट लेटेंट विवादों से दूर नहीं रहा है।

'इंडियाज गॉट लेटेंट' के लेटेस्ट एपिसोड में मेधा शंकर की मौजूदगी ने दर्शकों का ध्यान खींचा। एपिसोड और उससे जुड़े वीडियो ऑनलाइन सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने उनकी मौजूदगी को समय रैना के साथ चल रही डेटिंग की अफवाहों से जोड़ना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने मेधा के शो में आने पर रिएक्शन्स दीए। एक यूजर ने कमेंट किया 'अरे रुको!! मुझे मेधा पैनल में दिख रही हैं।' इन रिएक्शन्स के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चाएं और बढ़ गईं।

समय रैना और मेधा शंकर को कई बार साथ देखा गया

रिपोर्ट्स के मुताबिक, समय रैना और मेधा शंकर को हाल ही में एक ही फ्लाइट में सफर करते हुए देखा गया। इसके अलावा दोनों मुंबई एयरपोर्ट पर भी साथ नजर आए। यह पहली बार नहीं है जब दोनों को एक साथ देखा गया हो। जुलाई में भी उन्हें कई कार्यक्रमों में साथ देखा गया था। हालांकि, बार-बार साथ नजर आने के बावजूद मेधा शंकर और समय रैना ने अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। दोनों ने डेटिंग की खबरों पर अब तक सार्वजनिक रूप से प्रतिक्रिया देने से भी परहेज किया है।

पिछले कुछ दिनों में इंडियाज गॉट लेटेंट एक बार फिर अपने कंटेंट और उससे जुड़े विवादों को लेकर चर्चा में रहा है। हाल ही के एक एपिसोड में शेरोन वर्मा बतौर पैनलिस्ट नजर आई थीं। इस दौरान कश्मीरी-बिहारी जोक को लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल हुआ और कई यूजर्स ने शो के कंटेंट पर सवाल उठाए। विवाद के बीच एपिसोड के कुछ हिस्से सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए, जिसके बाद शो और इससे जुड़े लोगों को लेकर ऑनलाइन चर्चाएं तेज हो गईं। वहीं, शेरोन वर्मा का नाम समय रैना के साथ भी जोड़ा जा चुका है। दोनों की साथ में नजर आने और सोशल मीडिया पर सामने आई चर्चाओं के बाद उनके रिश्ते को लेकर डेटिंग की अफवाहें उड़ी थीं। हालांकि, समय और शेरोन दोनों ने सार्वजनिक तौर पर इस रिश्ते को लेकर कुछ भी नहीं कहा है।

जून में हुआ था 'इंडियाज गॉट लेटेंट सीजन 2' का प्रीमियर

'इंडियाज गॉट लेटेंट' के दूसरे सीजन का प्रीमियर जून में हुआ था। शो का पहला एपिसोड 20 जून को शाम 7 बजे प्रसारित किया गया। नए सीजन में भी शो का वही अनोखा कॉमेडी फॉर्मेट देखने को मिल रहा है, जिसमें प्रतियोगियों, मेहमानों और पैनलिस्ट्स के बीच मजेदार और अप्रत्याशित बातचीत होती है। वहीं, मेधा शंकर की बात करें तो वह '12वीं फेल' में अपने अभिनय के लिए काफी लोकप्रिय हुई थीं।

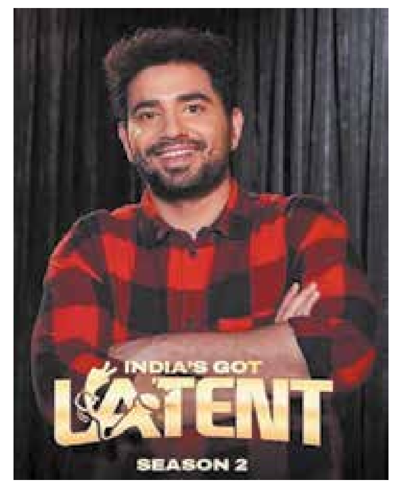

नेपोटिज्म पर अरशद वारसी की अलग राय? स्टारकिड्स के बारे में कहा

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर नेपोटिज्म पर बातें होती हैं। हाल ही में अभिनेता अरशद वारसी ने भी इस बारे में अपनी राय रखी। उनका मानना है कि इस मुद्दे को कंगना रनौत लेकर आईं। अरशद वारसी का कहना है कि भाई-भतीजावास से स्टारकिड्स के लिए पहला दरवाजा खुल सकता है, वे आगे कहां तक जाएंगे यह बात किसी की प्रतिभा पर निर्भर होती है। अभिनेता अरशद वारसी ने भाई-भतीजावाद की बहस को चर्चा में लाने का क्रेडिट कंगना रनौत को दिया है। अभिनेता का मानना है कि स्टार किड्स को फिल्म इंडस्ट्री में आसानी से एंट्री मिल जाती है। अरशद के मुताबिक, मशहूर सरनेम सिर्फ पहला दरवाजा ही खोल सकता है। कोई एक्टर वहां टिकेगा या नहीं, यह आखिरकार उसके टैलेंट के ऊपर है। अरशद वारसी ने फिल्मीज्ञान के साथ एक पॉडकास्ट में बात करते हुए कहा कि जब उन्होंने अपना करियर शुरू किया था, तब नेपोटिज्म कोई बड़ा मुद्दा नहीं था। उन्होंने कहा, 'कंगना नेपोटिज्म का मुद्दा लेकर आईं और फिर यह बड़ा हो गया। हर कोई इसके बारे में बात करने लगा'। अरशद ने यह माना कि नेपोटिज्म मौजूद है। मगर, साथ ही कहा कि इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उनका मानना है कि बिना प्रतिभा के कोई भी एक्टर बहुत आगे नहीं बढ़ सकता।

एक्टर के मुताबिक, नेपोटिज्म का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे जल्दी मौका मिल जाता है। उन्होंने कहा, 'ज्यादा से ज्यादा यह हो सकता है कि उनके लिए दरवाजा जल्दी खुल जाए, लेकिन अगर आपमें टैलेंट नहीं है, तो वह दरवाजा जल्दी ही बंद भी हो जाता है'। अरशद का कहना है कि वह अपने बच्चों पर सफल होने का दबाव नहीं डालना चाहते और न ही इस बात की चिंता करना चाहते हैं कि वे फेल होंगे या क्या होगा। इसके बजाय, वह चाहते हैं कि वे एक्टिंग को एक कला के तौर पर समझें और अगर वे इसे अपनाना चाहें, तो इसके लिए पूरी तरह तैयार रहें। एक्टर ने यह भी कहा कि आज फिल्म इंडस्ट्री में आने वाले युवा पहले से कहीं ज्यादा तैयारी के साथ आते हैं, इसलिए जो लोग एक्टर बनना चाहते हैं, उनके लिए अपनी कला को गंभीरता से लेना जरूरी है।

नजदीकियां में दिखेंगे निकिता दत्ता और ताहा शाह

धर्मा प्रोडक्शंस की डिजिटल कंपनी धर्माटिक एंटरटेनमेंट एक नई सीरीज लेकर आ रही है, जिसका नाम 'नजदीकियां' बताया जा रहा है। इस सीरीज का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्ममेकर रुचिर अरुण करेंगे। इसमें निकिता दत्ता और ताहा शाह बदुशा लीड रोल में नजर आएंगे। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। 'नजदीकियां' की कहानी आज के दौर के रिश्तों और उनकी जटिलताओं पर बेस्ड होगी। सीरीज में प्यार, शादी, जिम्मेदारियों और अपनी इच्छाओं के बीच फंसे लोगों की कहानी दिखाई जाएगी। कहानी में दो शादीशुदा जोड़ों की जिंदगी उस समय बदल जाती है, जब उनके जीवनसाथियों के बीच एक ऐसा रिश्ता बन जाता है, जो धीरे-धीरे बेहद गहरा होता चला जाता है। 'नजदीकियां' की कहानी दो कपल्स के इर्द-गिर्द घूमेगी। शुरुआत में इन दोनों जोड़ों की जिंदगी सामान्य नजर आती है, लेकिन समय के साथ उनके रिश्तों में बदलाव आने लगता है। दोनों कपल्स के जीवनसाथियों में से दो लोग एक-दूसरे के बेहद करीब आ जाते हैं।

'नजदीकियां' में आकांक्षा सिंह भी लीड रोल में नजर आएंगी। आकांक्षा टेलीविजन की लोकप्रिय एक्ट्रेसस में रही हैं। उनके किरदार के बारे में फिलहाल ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। सीरीज में परेश पाहुजा भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। परेश इससे पहले 'बंदिश बैंडिट्स' और 'चांद मेरा दिल' में नजर आ चुके हैं। उनकी एक्टिंग को ओटीटी दर्शकों ने भी पसंद किया है। सीरीज की शूटिंग 2026 के अंत तक शुरू हो सकती है। इसके बाद इसे साल 2027 में प्राइम वीडियो पर रिलीज करने की योजना है।

साइकोलॉजिकल ड्रामा में दिखेगी वेदिका पिंटो, लक्ष्य के साथ बनेगी नई जोड़ी

मुंबई 'मुसाफिर कैफे' में अपनी एक्टिंग से ध्यान खींचने वाली वेदिका पिंटो अब लक्ष्य के साथ स्क्रीन पर एकदम फ्रेश जोड़ी के रूप में नज़र आने वाली हैं। एक्ट्रेस इस नई कहानी में अपने किरदार के जरिए एक नया और एक्साइटिंग रंग भरने के लिए तैयार हैं। 'राख' से अपनी खास पहचान बनाने के बाद फिल्ममेकर प्रोसीत रॉय अब अपनी अगली डायरेक्टोरियल फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस अनटाइटल्ड फिल्म में लक्ष्य के साथ वेदिका पिंटो लीड रोल में दिखाई देंगी। कहा जा रहा है कि यह कोई टिपिकल रोमांस नहीं, बल्कि प्यार के साथ साइकोलॉजिकल ट्विस्ट का ऐसा कॉकटेल है, जो कहानी को काफी इंट्रिगिंग बनाने वाला है। 'किल', 'चांद मेरा दिल' और 'द बा*ड्स ऑफ बॉलीवुड' जैसे अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में अपनी वर्सेटिलिटी दिखा चुके लक्ष्य अब इस फिल्म में एक और ज्यादा लेयर्ड और अनप्रेडिक्टेबल किरदार एक्सप्लोर करते नज़र आएंगे। यानी इस बार लक्ष्य का अंदाज़ होगा थोड़ा हटके और कहानी होगी उससे भी ज्यादा सरप्राइजिंग! अपने डिस्टिंक्टिव स्टोरीटेलिंग स्टाइल के लिए पहचाने जाने वाले प्रोसीत रॉय इस बार रोमांस को साइकोलॉजिकल ट्विस्ट के साथ पेश करने वाले हैं।

अभिलाष थपलियाल ने सभी से तापसी की 'गांधारी' देखने की गुजारिश की

अभिनेत्री तापसी पन्नू अपने दमदार अभिनय और शानदार फिल्मों के चयन को लेकर जानी जाती हैं। अब तापसी एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'गांधारी' से फिर से दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। गुरुवार को के मित्र और अभिनेता अभिलाष थपलियाल ने सभी से फिल्म को देखने की गुजारिश की। अभिलाष थपलियाल ने इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री तापसी पन्नू के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने उनके अभिनय और फिल्मों के चयन की भी सराहना की। अभिनेता ने लिखा, 'अभिनेत्री तापसी पन्नू ने जो फैसले लिए हैं, वो उन्हें इस इंडस्ट्री की हर दूसरी स्टार से अलग बनाते हैं। 'पिंक' से लेकर 'मुल्क', 'थप्पड़', 'मनमर्जियां' और 'अस्सी' तक। उन्होंने हर बार अपने अभिनय से चौंकाया है।' अभिनेता अभिलाष थपलियाल ने सभी से फिल्म 'गांधारी' देखने की अपील की। अभिनेत्री ने लिखा, 'नेटफ्लिक्स पर 'गांधारी' उस अभिनेत्री के लिए जरूर देखें, जो हर बार नया मुकाम बनाती हैं। इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन और सबसे बहादुर एक्ट्रेस में से एक तापसी पन्नू के नाम।' अभिनेता अभिलाष थपलियाल की पोस्ट को काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं, तापसी पन्नू ने भी कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, 'यहां सर्वाइव करने का एक वीर चक्र होना चाहिए।' अभिनेत्री के इस कमेंट पर अभिलाष ने भी रिप्लाई देते हुए लिखा, 'तापसी पन्नू, माहेश्वरी जी ने लिखा था, और शायद आपके ही लिए होगा, प्रातः हो कि रात हो, संग हो न साथ हो। सूर्य से बढ़े चलो, चंद्र से बढ़े चलो। वीर तुम बढ़े चलो, धीर तुम बढ़े चलो!' देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित फिल्म में तापसी पन्नू, इश्वाक सिंह, छाया कदम, मीता वशिष्ठ और स्वास्तिका मुखर्जी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी 'बानी' (तापसी पन्नू) नाम की एक मां के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने पति गोकुल (इश्वाक सिंह) और बेटी मिष्ठी के साथ जॉयपुरा शहर में रहती है। रेलवे स्टेशन पर बानी की बेटी का अपहरण हो जाता है और एक हिंसक हमले में बानी अपनी आंखों की रोशनी भी खो बैठती है। इसके बाद बानी अपनी बेटी को ढूंढने और बाल तस्करों के एक खतरनाक गिरोह का सामना करने के लिए आंखों पर पट्टी बांधकर खुद मैदान में उतरती है।

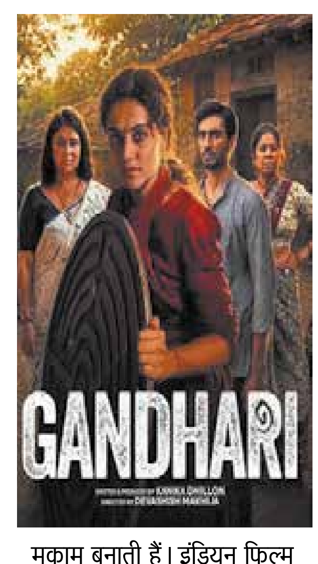

'द ट्रेटर्स 2' की जीत पर बोलीं क्रिस्टल डिसूज़ा

'द ट्रेटर्स सीजन 2' में क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ने अपने खेल से सभी को चौंका दिया। उन्होंने शो में 'ट्रेटर्स' की भूमिका निभाते हुए न सिर्फ कई खिलाड़ियों को गलतफहमी में रखा, बल्कि आखिर तक खुद को बचाए रखा और विजेता बनकर बाहर निकलीं। अब शो के खत्म होने के बाद क्रिस्टल ने बताया है कि शुरुआत से ही उन्हें पता था कि अगर वह किसी सवाल पर जरूरत से ज्यादा सफाई देंगी या खुद को बचाने के लिए बहुत ज्यादा सफाई देने लगेंगी, तो उनका राज खुल सकता है। क्रिस्टल ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, 'ट्रेटर' होना सुनने में भले ही बहुत शानदार लगता हो, लेकिन जब आपको हर दिन उन लोगों से झूठ बोलना पड़े, जिन्हें आप सच में पसंद करते हैं, तब इसकी असली मुश्किल समझ आती है। मैं शुरुआत से ही ट्रेटर थीं और इसलिए मुझे जल्दी समझ आ गया था कि ज्यादा बोलना या किसी आरोप पर तुरंत सफाई देना मुझे सबकी नजरों में ला सकता है।' क्रिस्टल के कहा, ''इसी वजह से मैंने यह सीखने की कोशिश की कि कब बोलना है, कब चुप रहना है और कब सिर्फ मुस्कुराकर पीछे बैठ जाना है। शो के दौरान मुझ पर शक भी हुआ, आरोप भी लगे और कई बार दूसरे कंटेस्टेंट्स ने मुझे मुश्किल में डालने की कोशिश भी की, लेकिन मैं किसी तरह हर बार मुश्किल से निकलती चली गई।''

जब शो शुरू हुआ था, तब कुल 21 प्लेयर्स पैलेस में पहुंचे थे। इसके बाद कई हफ्तों तक मर्डर, धोखे, गलत थ्योरी और एक-दूसरे पर शक का खेल चलता रहा। 'शक के घेरे' के दौरान प्लेयर्स लगातार यह पता लगाने की कोशिश करते रहे कि आखिर उनके बीच कौन ट्रेटर है। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, एक-एक करके खिलाड़ी बाहर होते गए और आखिर में छह लोग बचे। फिनाले तक मल्लिका शेरावत, साहिल सलाथिया, दलीप ताहिल, शालिनी पासी, क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ही खेल में टिके रहे। इन सभी को लगा कि उन्होंने पैलेस के सबसे बड़े धोखे को पीछे छोड़ दिया है। लेकिन फिनाले में क्रिस्टल और रिदा ने खुद को ट्रेटर बताकर पूरे खेल का सबसे बड़ा राज खोल दिया। दोनों की यह जोड़ी आखिरकार जीत तक पहुंची।

फार्मास्युटिकल नियमन में उत्कृष्ट योगदान के लिए ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन दादरा नगर हवेली और दमण-दीव को मिला अप्रिशिएशन अवार्ड

■ देशभर से 6 राज्यों और संघ प्रदेशों को मिला सम्मानः संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव को यह सम्मान मिलना गर्व की बात - दमण ड्रग्स इंस्पेक्टर धर्मेश अग्रवाल ने ग्रहण किया अप्रिशिएशन अवार्ड

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण/नई दिल्ली 08 सितंबर। नई दिल्ली में आयोजित वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में IPHEX-2026 के द्वारा संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन को भारत के फार्मास्युटिकल क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और विशिष्ट सेवा प्रदान करने के लिए, विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल्स के निर्यात के समर्थन के लिए फार्मास्यूटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा एप्रिसिएशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्रदेश में सुदृढ़ नियामक व्यवस्था, गुणवत्तापूर्ण फार्मास्यूटिकल उत्पादन और कारोबार में सुगमता के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना है। देशभर से 6 राज्यों एवं संघ प्रदेशों को यह सम्मान मिला है। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव को यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। संघ प्रदेश थ्रीडी की ओर से दमण ड्रग्स इंस्पेक्टर धर्मेश अग्रवाल ने अप्रिशिएशन अवार्ड ग्रहण किया।

दीव के घोघला सीएचसी अस्पताल में 80 जरूरतमंद लोगों को वितरित किए गए श्रवण सहायक उपकरण

■ दमण-दीव सांसद उमेश पटेल एवं दीव कलेक्टर राहुल देव बुरा की उपस्थिति में बांटे गए 24 लाख रूपये के साधन सहायता उपकरण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 8 सितंबर।

दीव के घोघला स्थित सीएचसी अस्पताल में आज एमपी फंड से 24 लाख रूपये की लागत से 80 जरूरतमंदों को श्रवण सहायक उपकरण वितरित किए गए। दमण-दीव सांसद उमेश पटेल एवं दीव कलेक्टर राहुल देव बुरा की उपस्थिति में 8 सितंबर 2026 को सुबह 10:30 बजे घोघला में सीएचसी अस्पताल में लाभार्थियों को मॉडर्न श्रवण सहायक उपकरण बांटे गए। कार्यक्रम के शुभारंभ में दमण-दीव के सांसद उमेश पटेल एवं दीव कलेक्टर राहुल देव बुरा का स्वागत किया गया। इसके बाद सांसद उमेश पटेल, कलेक्टर राहुल देव बुरा, हेल्थ ऑफिसर डॉ. प्रताप सेनन, डॉ. शाहू और डॉ. मनीषाबेन ने लाभार्थियों को श्रवण सहायक उपकरण बांटे। इस मौके पर कलेक्टर राहुल देव बुरा ने अपने भाषण में सुनने की अहमियत बताते हुए कहा कि यह समझना जरूरी है कि अगर कोई इंसान जिंदगी में कुछ भी सुन नहीं पाता है तो उसे कैसा लगता है और शरीर के किसी भी हिस्से में कोई कमी होने पर उसे किन मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने जरूरतमंद लोगों को हेल्थ सर्विस और मदद देने की अहमियत पर जोर दिया।

कार्यक्रम में दमण-दीव के सांसद उमेश पटेल ने भरोसा दिलाया कि वे दीव के लोगों के काम के लिए हमेशा तैयार रहेंगे और कहा कि लोगों की सुविधाओं और हेल्थ सर्विस को और मजबूत करने की कोशिश की जाएगी। एमपी फंड के 24 लाख रूपये की लागत से करीब 80 लोगों को मॉडर्न टेक्नोलॉजी वाले श्रवण सहायक उपकरण दिए जा रहे हैं। उन्होंने दीव के लिए दो और एम्बुलेंस एवं बसें देने का भी ऐलान किया। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, डॉक्टर, डीसीपीयू कर्मचारी और लाभार्थी मौजूद रहे।

सिलवासा सब-जेल में विचाराधीन कैदियों के लिए आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा, 8 सितंबर। जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण सिलवासा द्वारा जिला अध्यक्ष एवं डालसा चेयरपर्सन श्रीमती वी.पी. इंगले के मार्गदर्शन में आज सुबह 10 बजे दादरा नगर हवेली के सिलवासा स्थित सब-जेल में विचाराधीन कैदियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एडवोकेट मोक्षित शाह ने कैदियों के बेल के अधिकार और बेल की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। एडवोकेट राज भंडारी ने प्ली बारगेनिंग की जानकारी दी। उसके बाद सिविल कोर्ट के न्यायाधीश और डालसा के मेंबर सेक्रेटरी सचिन निकम ने अध्यक्षीय संबोधन दिया और विचाराधीन कैदियों की समस्या के बारे में चर्चा की। इस कार्यक्रम में 80 से अधिक विचाराधीन कैदी उपस्थित रहे। इसी के साथ डीएनएच बार के अध्यक्ष नितिन माह्यावंशी, जेल अधिकारी राहुल भीमरा, कमलेश राठोड और स्टाफ उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये डालसा के सहायक अधिक्षक अनिरुद्ध पगडे (सिविल कोर्ट, सिलवासा) की देखरेख में पूरा कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

दमण में एक व्यक्ति को बांधकर वाहन में ले जाने का वीडियो वायरल, लोगों में नाराजगी

■ दमण-दीव सांसद उमेश पटेल ने दमण एसपी से कार्यवाही करने की मांग की

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 8 सितंबर। दमण में एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें आरटीओ के ठेकेदार कर्मियों द्वारा वाहन को टो करने वाली गाडी पर एक व्यक्ति को बांधकर ले जाते हुए देखा जा रहा है। यह वीडियो वायरल होने के बाद लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। वहीं सांसद उमेश पटेल ने इस मामले को लेकर गंभीर चिंता जताई है। सांसद ने बताया कि यह वीडियो उन्हें किसी व्यक्ति द्वारा भेजा गया है और वीडियो के संबंध में बताया गया है कि घटना दमण की है। सांसद उमेश पटेल ने वीडियो को तत्काल दमण के पुलिस अधीक्षक केतन बंसल को भेजकर मामले की जांच करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वीडियो की सत्यता की तुरंत जांच की जाए तथा वीडियो में दिखाई दे रहे व्यक्ति की पहचान कर उसके साथ क्या हुआ, इसकी पूरी जानकारी प्राप्त की जाए। इस मामले में प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि नशे में चूर यह व्यक्ति आने-जाने लोगों को पत्थर मार रहा था। जिसकी वजह से ट्रैफिक नियंत्रण करने हेतु शहर में घूमने वाले टो-वाहन पर कार्यरत वालंटियरों ने उक्त उपद्रवी को बांधकर गाडी पर ले गए। उमेश पटेल ने कहा कि यदि यह घटना वास्तव में दमण की है और वीडियो में दिखाई दे रही परिस्थितियां सही पाई जाती हैं तो यह बेहद शर्मनाक और चिंताजनक मामला है। सांसद ने कहा कि इस पूरे मामले की सच्चाई जनता के सामने आनी चाहिए और यदि किसी प्रकार का अपराध हुआ है तो जिम्मेदार लोगों को कानून के कटघरे में खड़ा किया जाना चाहिए।

सिलवासा में संत सेना महाराज की 33वीं पुण्यतिथि पर निकली पालखी यात्रा

■ साईं शांति धाम से अय्यप्पा मंदिर तक निकली भव्य पालखी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां, मेधावी एवं प्रतिभाशाली बच्चों का हुआ सम्मान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 08 सितंबर। दादरा नगर हवेली के सिलवासा शहर में संत शिरोमणि श्री संत सेना महाराज की 33वीं पुण्यतिथि श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर साईं शांति धाम सोसायटी स्थित साईं बाबा मंदिर प्रांगण से भव्य पालखी यात्रा निकाली गई। पालखी यात्रा में समाज के लोगों, श्रद्धालुओं, महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला और श्रद्धालु संत सेना महाराज का स्मरण करते हुए पालखी के साथ आगे बढ़ते नजर आए। मराठा नाभिक समाज के दिलीप पवार की अगुवाई में पिछले 33 वर्षों से संत सेना महाराज की पुण्यतिथि का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। तीन दशकों से अधिक समय से चली आ रही इस धार्मिक एवं सामाजिक परंपरा को इस वर्ष भी पूरी श्रद्धा और भव्यता के साथ आगे बढ़ाया गया। पुण्यतिथि के अवसर पर धार्मिक कार्यक्रमों के साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। पालखी यात्रा का शुभारंभ सिलवासा के साईं शांति धाम सोसायटी स्थित साईं बाबा मंदिर प्रांगण से हुआ। यहां से श्रद्धालु संत सेना महाराज की तस्वीर एवं पालखी के साथ अय्यप्पा मंदिर की ओर रवाना हुए। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। भक्ति और श्रद्धा के माहौल में लोगों ने संत सेना महाराज का जयघोष करते हुए पालखी यात्रा में सहभागिता की। पालखी यात्रा अय्यप्पा मंदिर पहुंचने के बाद संत सेना महाराज की तस्वीर के समक्ष श्रद्धालुओं ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। इसके बाद आरती एवं धार्मिक कार्यक्रम के साथ समारोह की शुरुआत की गई। मंदिर परिसर में भी भक्तों की भारी उपस्थिति रही और पूरा वातावरण आध्यात्मिक एवं भक्तिमय नजर आया पुण्यतिथि समारोह के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रमुख आकर्षण रहा। छोटे-छोटे बच्चों ने विभिन्न गीतों और संगीत पर शानदार नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। बच्चों की प्रतिभा देखकर कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान एक भावुक एवं आकर्षक प्रस्तुति ने विशेष रूप से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस प्रस्तुति में एक मां अपने बच्चे को नृत्य के इशारों और भाव-भंगिमाओं के माध्यम से प्रस्तुति के लिए मार्गदर्शन करती नजर आई। मां को बच्चे का पहला गुरु माना जाता है और इसी भाव को दर्शाती इस प्रस्तुति ने दर्शकों को भावुक कर दिया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने इस प्रस्तुति की जमकर सराहना की। समारोह में शिक्षा और बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने पर भी विशेष जोर दिया गया। राम अनिल वाघ सिल्वर मेडल नेशनल लेवल रेणुका प्रवीण सोनवणे चेस सेकंड नंबर, विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एवं अव्वल रहने वाले बच्चों को आमंत्रित अतिथियों के हाथों पुरस्कार एवं इनाम देकर सम्मानित किया गया। बच्चों को सम्मान मिलने से उनमें उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला। आयोजकों ने कहा कि समाज के बच्चों को शिक्षा, संस्कृति और प्रतिभा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना बेहद जरूरी है। ऐसे सम्मान समारोह बच्चों के भीतर आगे बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा पैदा करते हैं और समाज की नई पीढ़ी को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर देते हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिलवासा नगरपालिका अध्यक्ष सोमनाथ पाटिल, काउंसिलर रजनी शेट्टी, सिलवासा जिला शहर अध्यक्ष शांतिलाल पुजारी, सुनील महाजन, दिनेश पाटिल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अतिथियों ने संत सेना महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए समाज के इस आयोजन की सराहना की तथा बच्चों को पुरस्कार देकर उनका हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं मार्गदर्शक दिलीप पवार के साथ पूरी कमेटी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वाइस प्रेसिडेंट राजू सिरसागर, सचिव सुभाष वाग, किरण आहिरे, ट्रेजरर प्रवीण आहिरे, ईश्वर वाग, वासुदेव सोनवने, एकनाथ शिल्के सहित समिति के सभी सदस्यों एवं युवा ग्रुप ने आयोजन की व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आयोजकों ने बताया कि संत सेना महाराज की पुण्यतिथि का यह आयोजन केवल धार्मिक कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को एकजुट करने, नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ने और प्रतिभाशाली बच्चों को प्रोत्साहित करने का भी माध्यम है। पिछले 33 वर्षों से लगातार इस परंपरा को आगे बढ़ाया जा रहा है और भविष्य में भी इसे इसी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ जारी रखने का संकल्प लिया गया।

सरकारी विद्यालय मरवड एवं कचीगाम में स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों के लिए हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 8 सितंबर। स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के सदस्यों को विद्यालय के समग्र विकास में उनकी भूमिका, जिम्मेदारियों एवं अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 8 सितंबर को सरकारी विद्यालय मरवड़ एवं सरकारी विद्यालय कचीगाम में विशेष तालीम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह तालीम बीआरसी टीम दमण द्वारा प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान एसएमसी सदस्यों को विद्यालय से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी सरल एवं व्यावहारिक तरीके से दी गई। तालीम के दौरान विशेष रूप से विद्यालय छोड़ने वाले विद्यार्थियों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने, विद्यालय अनुदान के उचित प्रबंधन, एसएमसी सदस्यों की जिम्मेदारियों एवं अधिकारों, अपशिष्ट प्रबंधन, स्कूल विकास योजना आदि विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। इसके साथ ही एसएमसी सदस्यों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के सरल एवं स्पष्ट उत्तर देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया गया ताकि वे विद्यालय के विकास एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने में प्रभावी भूमिका निभा सकें। इस तालीम में कुल 658 एसएमसी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एसएमसी सदस्यों को सशक्त बनाकर विद्यालय, शिक्षक, विद्यार्थी एवं समुदाय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा विद्यालय के सर्वांगीण विकास में सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना रहा। बीआरसी टीम दमण द्वारा आयोजित इस तालीम को एसएमसी सदस्यों के लिए उपयोगी, ज्ञानवर्धक एवं मार्गदर्शक पहल के रूप में सराहा गया।

सरकारी विद्यालय खानवेल में स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा, 8 सितंबर। दादरा नगर हवेली के खानवेल स्थित सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मराठी माध्यम के आचार्य एस. ए. डीगंनकर के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में स्लोगन लेखन कार्यक्रम का आयोजन किया। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी एस. आर. ईशी द्वारा आयोजित स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में उच्चतर माध्यमिक विभाग के विद्यार्थियों ने बढ-चढकर हिस्सा लिया। जिसमें साक्षरता की ओर बढ़ते जाओ, भारत को शिक्षित बनाओ, साक्षरता का पर्व मनाओ, ज्ञान की दिशा में बढ़ते जाओ, जब पढ़ा लिखा होगा हर इंसान, तभी होगा राष्ट्र महान, हम बच्चों का नारा है, शिक्षा का अधिकार हमारा है जैसे नारों से विद्यार्थियों ने सभी का मनमोह लिया।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)